आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 130 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

# आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर,
गुरुवार,
15 मई,
2025

# 'बलूचिस्तान की आजादी का एलान'

## बलूच नेता ने लोगों से सड़कों पर उतरने की अपील की; भारत से मांगी ये मदद

एजेंसी ● बलूचिस्तान

बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से आजाद होने का एलान किया है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को राज्य में दशकों से हो रही हिंसा, जबरन गायब किए जाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर पाकिस्तान से स्वतंत्रता का एलान किया।

उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं हैं। उन्होंने भारत और वैश्विक समुदाय से आजादी के लिए समर्थन देने की मांग की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना फैसला दे दिया है। अब दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोग सड़कों पर हैं।

उनका कहना है कि तुम मारोगे हम टूटेंगे, हम नाक बचाएंगे आओ हमारा साथ दो। उन्होंने भारतीय नागरिकों, खास तौर पर मीडिया, यूट्यूबरों और बुद्धिजीवियों से बलूचों को 'पाकिस्तान के अपने लोग' कहने से बचने का आग्रह किया है।

### पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं: मीर यार बलूच

उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तानी नहीं हैं। हम बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं। जिन्होंने कभी हवाई बमबारी, जबरन गायब किए जाने और नरसंहार का सामना नहीं किया। मीर यार बलूच ने कहा कि दुनिया को पाकिस्तान के एकतरफा बयान पर भरोसा नहीं करना चाहिए। पाकिस्तान बलूचिस्तान के नेता के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर और 27 मार्च 1948 को बलूचिस्तान के पाकिस्तान में शामिल होने के समारोह में अंतरराष्ट्रीय या तीसरे देश की भागीदारी को साबित करने वाला एक भी कागज और कानूनी दस्तावेज पेश नहीं कर सका। बलूचिस्तान में लंबे समय से मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन होता रहा है। इसमें जबरन गायब कर दिया जाना, न्यायेतर हत्याएं और असहमति को दबाना शामिल है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और सशस्त्र समूहों दोनों पर ही मानवाधिकारों के हनन का आरोप लगाया गया है।

### गुलाम जम्मू-कश्मीर को खाली करने का किया समर्थन

बलूच नेता मीर यार बलूच ने भारत के पाकिस्तान से गुलाम जम्मू-कश्मीर खाली करने की कहने के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलूचिस्तान भारत द्वारा 14 मई 2025 को पाकिस्तान से गुलाम जम्मू-कश्मीर को खाली करने के लिए कहने के फैसले का पूरा समर्थन करता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान से तुरंत गुलाम जम्मू-कश्मीर छोड़ने का आग्रह करना चाहिए ताकि ढाका में उसके 93000 सैन्यकर्मियों को आत्मसमर्पण के एक और अपमान से बचाया जा सके। भारत पाकिस्तानी सेना को हराने में सक्षम है और अगर पाकिस्तान ने कोई ध्यान नहीं दिया तो केवल पाकिस्तानी सेना के जनरलों को ही रक्तपात के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए क्योंकि पाकिस्तान गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोगों को मानव ढाल के रुप में इस्तेमाल कर रहा है।

### बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने चार ट्रक ड्राइवरों की हत्या की

अशांत बलूचिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों ने चार ट्रक ड्राइवरों का अपहरण कर लिया और बाद में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि मंगलवार रात को क्वेटा से लगभग 100 किलोमीटर पश्चिम में नोश्की के गलांगूर इलाके में गोलियों से छलनी उनकी लाशें मिलीं। हालांकि अभी तक किसी ने भी हत्याओं की जिम्मेदारी नहीं ली है।

# भारत के 52वें CJI बने जस्टिस बीआर गवई, राष्ट्रपति ने शपथ दिलाई

## देश के पहले बौद्ध चीफ जस्टिस, 6 महीने का कार्यकाल

एजेंसी ● नई दिल्ली

जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई ने आज भारत के 52वें चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जस्टिस गवई को CJI पद की शपथ दिलाई। मौजूदा CJI संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो चुका है।

CJI खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम था। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का है। CJI गवई देश के दूसरे दलित और पहले बौद्ध चीफ जस्टिस हैं।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक, जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में प्रमोट हुए थे। उनके रिटायरमेंट की तारीख 23 नवंबर 2025 है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे।

**CJI की मां बोलीं- मेहनत और सेवा का मिला फलः** CJI गवई की मां कमलताई ने कहा, 'मैंने हमेशा चाहा था कि मेरे बच्चे अपने पिता के रास्ते पर चलें और समाज की सेवा करें। भूषण ने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया और मेहनत से आज इस ऊंचे पद तक पहुंचे हैं।' उन्होंने बताया कि CJI ने एक साधारण स्कूल में पढ़ाई की और हमेशा जरूरतमंदों की मदद करते रहे हैं, चाहे वह आर्थिक सहायता हो या इलाज का खर्च।

### जस्टिस गवई ने 1985 में कानूनी करियर शुरु किया

जस्टिस गवई का 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती में जन्म हुआ था। उन्होंने 1985 में कानूनी करियर शुरु किया। 1987 में बॉम्बे हाईकोर्ट में स्वतंत्र प्रैक्टिस शुरु की। इससे पहले उन्होंने पूर्व एडवोकेट जनरल और हाईकोर्ट जज स्वर्गीय राजा एस भोंसले के साथ काम किया। 1987 से 1990 तक बॉम्बे हाईकोर्ट में वकालत की। अगस्त 1992 से जुलाई 1993 तक बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में सहायक सरकारी वकील और एडिशनल पब्लिक प्रॉसीक्यूटर के रुप में नियुक्त हुए। 14 नवंबर 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट के एडिशनल जज के रुप में प्रमोट हुए। 12 नवंबर 2005 को बॉम्बे हाईकोर्ट के परमानेंट जज बने।

### दूसरे दलित CJI होंगे जस्टिस गवई

जस्टिस गवई देश के दूसरे दलित CJI होंगे। उनसे पहले जस्टिस केजी बालाकृष्णन भारत के मुख्य न्यायाधीश बने थे। जस्टिस बालाकृष्णन साल 2007 में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे। सुप्रीम कोर्ट जज के रुप में जस्टिस गवई कई ऐतिहासिक फैसलों में शामिल रहे हैं। उनमें मोदी सरकार के 2016 के डिमॉनेटाइजेशन के फैसले को बरकरार रखना और चुनावी बॉण्ड योजना को असंवैधानिक घोषित करना शामिल है। जस्टिस गवई के बाद जस्टिस सूर्यकांत वरिष्ठता सूची में आते हैं। संभावना है कि उन्हें 53वां चीफ जस्टिस बनाया जाएगा।

# पाकिस्तान ने BSF के अगवा जवान को छोड़ा

## DGMO लेवल की बातचीत के बाद रिहाई, 20 दिन बाद अटारी-वाघा बॉर्डर से लौटे पूर्णम कुमार

एजेंसी ● अमृतसर

पाकिस्तान ने भारत के BSF जवान पूर्णम कुमार शॉ को छोड़ दिया है। कॉन्स्टेबल पूर्णम बुधवार सुबह साढ़े 10 बजे अटारी-वाघा बॉर्डर से भारत लौट आए। DGMO लेवल पर बातचीत के बाद उन्हें 20 दिनों के बाद छोड़ा गया है। उन्हें मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया है। पूछताछ के बाद उन्हें घर जाने दिया जाएगा।

BSF ने प्रेस रिलीज के जरिए कॉन्स्टेबल पूर्णम के भारत लौटने की जानकारी दी है। इसमें बताया कि पूर्णम शॉ 23 अप्रैल को फिरोजपुर सेक्टर में ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान गलती से पाकिस्तान चले गए थे। इसके बाद उन्हें पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था।

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के अगले दिन पाकिस्तान रेंजर्स ने BSF जवान पूर्णम कुमार शॉ की दो फोटो जारी की थीं। पहली फोटो में पूर्णम पेड़ के नीचे खड़े थे। उनकी राइफल, पानी की बोतल, बैग जमीन पर पड़ा था। दूसरी फोटो में जवान की आंखों पर पट्टी बंधी थी।

**मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं शॉः** जवान शॉ मूल रूप से पश्चिम बंगाल में हुगली के रिसड़ा गांव के रहने वाले हैं। वह 23 अप्रैल को फिरोजपुर में किसानों के साथ भारत-पाक बॉर्डर पर ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान वह गलती से एक पेड़ के नीचे बैठने के लिए पाकिस्तान की सीमा में दाखिल हो गए। जहां पाकिस्तानी रेंजर्स ने उन्हें पकड़ लिया और अपने साथ ले गए।

### जवान के लौटने पर उनकी पत्नी ने क्या कहा...

**मेरे पति बिल्कुल फिट हैंः** BSF जवान के देश लौटने के बाद उनकी पत्नी रजनी शॉ बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा- मेरे पति 20 दिन देश में नहीं थे, पाकिस्तान ने अरेस्ट किया था। आज बहुत खुशी हुई। सुबह ही हेड ऑफिस से CO साहब का फोन आया था। उन्होंने कहा था कि PK साहब इंडिया आ गए हैं। वह बिल्कुल सही-सलामत हैं। आप टेंशन मत लीजिए। मेरे पति ने भी मुझे वीडियो कॉल किया था। वह फिजिकली बिल्कुल फिट हैं। उन्होंने कहा था कि वह फ्री होकर फोन करेंगे। हालांकि घर कब तक आएंगे, यह नहीं पता।

**CM ने बात की, भरोसा दिया थाः** जवान की पत्नी ने कहा- 3-4 दिन पहले मेरी CM (ममता बनर्जी) से भी बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि आपके पति जल्द घर आ जाएंगे, क्योंकि वह भी BSF के अधिकारियों से लगातार बात कर रही थीं। सभी का सपोर्ट रहा। पूरा देश मेरे लिए खड़ा था। मैं सभी का धन्यवाद करती हूं।

# पानीपत में पाकिस्तानी जासूस पकड़ा

**पानीपत।** हरियाणा के पानीपत से पुलिस ने पाकिस्तानी जासूस पकड़ा है। वह पाकिस्तानी आतंकी इकबाल के अलावा वहां के कई संगठनों के टच में था। वह उन्हें वॉट्सऐप व अन्य सोशल मीडिया एप के जरिए भारत की खुफिया जानकारी भेज रहा था। इनमें ज्यादातर जानकारी रेलवे स्टेशनों से जुड़ी हुई है। पुलिस ने उसके नंबर से हो रही संदिग्ध गतिविधि को ट्रेस करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। शुरूआती जांच में पता चला कि पकड़ा गया जासूस नौमान इलाही मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कैराना का रहने वाला है। वह यहां एक फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था।

# राजस्थान से 148 बांग्लादेशी घुसपैठियों को डिपोर्ट किया

**जोधपुर।** राजस्थान से बुधवार को 148 बांग्लादेशी घुसपैठियों को डिपोर्ट किया गया है। अवैध रूप से रह रहे इन बांग्लादेशी नागरिकों को जोधपुर एयरपोर्ट से विशेष विमान से पश्चिम बंगाल भेजा गया है। सीमा सुरक्षा बल (BSF) इन सभी को बांग्लादेश भेजने के लिए आगे की कार्रवाई करेगा। दरअसल, पहलगाम में आतंकी हमले के बाद राजस्थान में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने का अभियान चलाया गया। इसके तहत अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर पकड़ा गया और अब उनको वापस बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है। घुसपैठियों को लेकर पुलिस और बीएसएफ ने कोऑर्डिनेट किया है। बांग्लादेश सरकार को भी उनके नागरिकों की जानकारी दी गई है।

# कैबिनेट बैठक : देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी

## UP के जेवर में प्लांट लगेगा; हर महीने 3.6 करोड़ चिप बनेंगी

एजेंसी ● नई दिल्ली

PM नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास में हुई कैबिनेट बैठक में देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दे दी गई है। यह यूनिट 3706 करोड़ रुपए में उत्तर प्रदेश के जेवर में लगाई जाएगी।

HCL और फॉक्सकॉन मिलकर इस यूनिट को बनाएंगे। प्लांट में मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमाबाइल्स, पर्सनल कम्प्यूटर, और दूसरे डिस्प्ले डिवाइसेज के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स बनेंगे। हर महीने 3.6 करोड़ चिप बनेंगी।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2022 में लॉन्च किया गया था। इसके तहत अब तक 6 प्रोजेक्ट्स अप्रूव किए गए हैं। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 270 शैक्षणिक संस्थानों और 70 स्टार्टअप्स के छात्र लेटेस्ट टूल्स के जरिए सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी सीख रहे हैं।

30 अप्रैल को हुई थी पिछली कैबिनेट बैठक इससे पहले 30 अप्रैल को हुई कैबिनेट मीटिंग में जातीय जनगणना का फैसला हुआ था। इसे मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। जाति जनगणना के ऐलान के बाद राहुल गांधी ने कहा था- आखिरकार सरकार ने जाति जनगणना की बात कह दी है। हम इसे सपोर्ट करते हैं, लेकिन सरकार को इसकी समय सीमा बतानी होगी। हमने तेलंगाना में कास्ट सेंसस कराया, इसे मॉडल बनाया जा सकता है। हमें कास्ट सेंसस से आगे जाना है। किस जाति की ऊंचे पदों में कितनी हिस्सेदारी है, ये पता करनी है।

**2011 में सामाजिक-आर्थिक गणना हुई, आंकड़े जारी नहींः** मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आंकड़े कभी भी सार्वजनिक नहीं किए गए। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर इसके एसजी-एसटी हाउसहोल्ड के आंकड़े ही जारी किए गए हैं।

## मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में गोटेगांव में हुआ 218 जोड़ों का सामूहिक विवाह

# आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विवाह हमारी संस्कृति की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। यह हमारे समाज और परिवार का आधार है। सामूहिक विवाह सम्मेलन गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल और सहयोग के प्रतीक हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के साथ हमारी सरकार दोस्त बनकर हमेशा साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नरसिंहपुर जिले के नई कृषि उपज मंडी प्रांगण, गोटेगांव में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली सहभागिता कर संबोधित कर रहे थे। सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 218 जोड़े (216 कन्याओं का विवाह और 02 बेटियों का निकाह) परिणय सूत्र में बंधे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार माताओं, बहनों और बेटियों के हितों की रक्षा के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बहन, बेटियों के लिए हमने अपने सालाना बजट में 27 हजार 147 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। प्रदेश में ग्रामसभा से लेकर विधानसभा तक महिलाओं की प्रभावी उपस्थिति है। शासकीय नौकरियों में हमने महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत तक आरक्षण का प्रावधान किया है। प्रदेश में 40 प्रतिशत से अधिक स्टार्ट-अप्स का संचालन महिलाएं कर रही हैं। बीते वर्षों में 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से करीब 62 लाख ग्रामीण बहनें आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। यह हमारे लिये गौरव का विषय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी नवविवाहित जोड़ों को दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं व आशीर्वाद देते हुए कहा कि 16 संस्कारों में सबसे सुंदर संस्कार पाणिग्रहण संस्कार है। विवाह 2 परिवारों का और 2 संस्कारों का भी मिलन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उद्देश्य न केवल बेटियों को सम्मानपूर्वक विदा करना है, बल्कि उनके जीवन की नई शुरुआत को आर्थिक संबल सशक्त आधार देना भी है। उन्होंने वर-वधूओं से अपील की कि वे सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन को आत्मनिर्भर और सुखमय बनाएं।

सम्मेलन को गोटेगांव विधायक श्री महेन्द्र सिंह नागेश ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री श्री जालम सिंह पटेल, पूर्व विधायक श्री हाकम सिंह चढ़ार, समाजसेवी श्री रामस्नेही पाठक, महंत पीतम पुरी, श्री दादूराम पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिगण, वर-वधू एवं बड़ी संख्या में उनके परिजन एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

**26 मई को नरसिंहपुर में लगेगा विशाल कृषि मेलाः** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित जनसमूह को जानकारी दी कि आगामी 26, 27 एवं 28 मई को जिला मुख्यालय में नरसिंहपुर में विशाल कृषि मेला आयोजित किया जाएगा। 26 मई को वे स्वयं नरसिंहपुर जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कृषि मेले में कृषि आधारित उद्योगों के बारे में जानकारी के अलावा दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, शाक-सब्जी उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, उद्यानिकी, बागवानी, उन्नति किस्म के बीज, खाद, उर्वरक की जानकारी सहित उन्नत कृषि उपकरणों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने नरसिंहपुर जिले के सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे इस त्रि-दिवसीय विशाल कृषि मेले में आकर कृषि की नई तकनीकों और इस क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की जानकारी लें और इन्हें अपनाकर अपनी फसल का उत्पादन बढ़ाएं।

## इंटरनेट और नेटवर्किंग: डिजिटल यूनिवर्स अनलॉक्ड विषय पर लगी आकर्षक और ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी

# पत्रकारिता विवि के मीडिया प्रबंधन विभाग में लगी प्रदर्शनी

**संवाददाता ● भोपाल**

**प्रदर्शनी**

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के मीडिया प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने "इंटरनेट और नेटवर्किंगः डिजिटल यूनिवर्स अनलॉक्ड" शीर्षक से एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन किया । प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों की ओर से प्रदर्शित नवाचारों की सराहना की। इस अवसर पर विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कुलसचिव डॉ.अविनाश वाजपेयी भी उपस्थित थे।

प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा विकसित विभिन्न प्रकार के मॉडल और प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए गए, जो सभी इंटरनेट और नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर की थीम पर केंद्रित थे। नवोन्मेषी कार्यशील मॉडल में कई विद्यार्थियों ने वास्तविक समय नेटवर्किंग प्रक्रियाओं और प्रणालियों को प्रदर्शित करने के लिए कार्यशील मॉडल प्रस्तुत किए, वहीं नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर का वैचारिक प्रतिनिधित्व मॉडल ने छोटे और बड़े पैमाने के नेटवर्क के निर्माण और संचालन के लिए आवश्यक विभिन्न घटकों को दर्शाया। इसी तरह प्रोटोकॉल और संचार तकनीक प्रदर्शनी में स्पष्ट रूप से समझाया कि नेटवर्क में संदेश कैसे वितरित किए जाते हैं और कौन से प्रोटोकॉल सफल संचार सुनिश्चित करने में शामिल हैं। एमबीए द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत प्रदर्शनी में उन्हीं के द्वारा तैयार की गई समाचार बुलेटिन, लघु वृत्तचित्र एवं विज्ञापन फिल्में भी प्रस्तुत की गई। विद्यार्थियों ने नेटवर्क आर्किटेक्चर की योजना और निष्पादन प्रदर्शनों ने प्रभावी ढंग से दिखाया कि कैसे नियोजन, टोपोलॉजी, हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर एक साथ मिलकर इंटरनेट की रीढ़ बनते हैं। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी से संवाद में विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ अपने मॉडल के डिज़ाइन, कार्य और अनुप्रयोग को समझाया। प्रदर्शनी ने आगंतुकों को सरल नेटवर्क सेटअप से लेकर वैश्विक इंटरनेट की जटिल वास्तुकला तक डिजिटल दुनिया को शक्ति प्रदान करने वाली चीज़ों की गहरी समझ प्रदान की। इसने छात्रों को अपनी शिक्षा और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने और सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहार में लाने के लिए एक मंच भी प्रदान किया। कुलसचिव एवं मीडिया प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.डॉ. अविनाश वाजपेयी ने कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी का आभार ज्ञापित किया। यह प्रदर्शनी शिक्षिका अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

**शॉट न्यूज**

### कलेक्टर के निर्देश पर आरटीओ ने की वाहनों पर कार्रवाई

**इंदौर।** यातायात सुधार के लिए कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम के तहत आज सख्त कार्रवाई करते तीन वाहनों को जब्त किया गया। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोकपरिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही, विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज के वाहनो की सघन जांच की जा रही है। 13 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया।

### मकान बनाने के नाम पर ठग लिए साढ़े 9.50 लाख रुपए

इंदौर। गांधी नगर पुलिस ने एक धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपी ससुराल पक्ष से व्यापारी के परिचित में आया था। इसके बाद आरोपी ने प्लॉट और उस पर घर बनाकर देने की बात कही लेकिन बाद में बदल गया। आरोपी ने धोखाधड़ी कर नकद और ऑनलाइन पेमेंट जमा कराए थे। आरोपी ठेकेदार की तलाश की जा रही है। गांधी नगर पुलिस ने त्रिलोक मालाकार की शिकायत पर बाबू मुराई कॉलोनी निवासी बाबूलाल पुत्र केशर सिंह ठाकुर के खिलाफ करीब साढ़े नौ लाख की धोखाधड़ी किए जाने के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि त्रिलोक मालाकार कालानी नगर में रहता है। यहां उनके ससुराल पक्ष के लोगों के यहां बाबूलाल का आना-जाना लगा रहता था। त्रिलोक मालाकार ने पुलिस को बताया कि कल्याण संपत विहार कॉलोनी में बाबूलाल प्लॉट खरीदने-बेचने का काम करता था।

## यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 'यूनियन वेलनेस डिपॉजिट' का शुभारंभ

### एक अनूठी 375-दिवसीय खुदरा अवधि जमा योजना

**संवाददाता ● मुंबई**

**योजना**

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में खुदरा ग्राहकों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई, अपनी नई और नवोन्मेषी अवधि जमा योजना 'यूनियन वेलनेस डिपॉजिट' का शुभारंभ किया गया। यूनियन वेलनेस डिपॉजिट को अवधि जमा उत्पाद के साथ स्वास्थ्य बीमा को सहजता से एकीकृत करके धनर्जन और स्वास्थ्य सुरक्षा दोनों को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, यह रुपे सेलेक्ट डेबिट कार्ड के माध्यम से कई प्रकार के जीवनशैली लाभ प्रदान करता है। यह योजना 18 से 75 वर्ष की आयु के निवासी व्यक्तियों के लिए व्यक्तिगत या संयुक्त रूप से उपलब्ध है। संयुक्त खातों के लिए, केवल प्राथमिक खाताधारक ही बीमा कवरेज के लिए पात्र होंगे। इसमें न्यूनतम जमा राशि 10।00 लाख और अधिकतम 3 करोड़ है, जिसमें समय से पहले बंद करने और जमा पर ऋण की सुविधा है। इस योजना की अवधि 375 दिन है और यह 6।75% प्रति वर्ष की आकर्षक ब्याज दर प्रदान करती है, साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए 0।50% अतिरिक्त ब्याज भी प्रदान करती है। इस उत्पाद की एक विशिष्टता 375-दिन के सुपर टॉप-अप स्वास्थ्य बीमा कवर का समावेशन है, जो कैशलेस अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा के साथ 5।00 लाख की बीमा राशि प्रदान करता है। शुभारंभ करते हुए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सुश्री ए। मणिमेखलै ने बताया, 'यूनियन वेलनेस डिपॉजिट का शुभारंभ हमारे मूल्यवान ग्राहकों को नवोन्मेषी और प्रीमियम बैंकिंग अनुभव प्रदान करने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रथम पेशकश के रूप में, यह उत्पाद स्वास्थ्य देखभाल लाभों की एक श्रृंखला के साथ धनर्जन को जोड़ता है'।

## एडीएम से बोले : हमारा कोई स्थायी धर्म नहीं...

**संवाददाता ● इंदौर**

नंदलालपुरा क्षेत्र में हाल ही में धर्म परिवर्तन को लेकर हुए विवाद के बाद बड़ी संख्या में किन्नर समुदाय के लोग आज मंगलवार को एडीएम रोशन राय के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने पूरे घटनाक्रम पर माफी मांगते हुए कहा कि उन्हें सपना गुरु द्वारा बरगलाया गया था। किन्नरों ने अधिकारियों को बताया कि उनका कोई स्थायी धर्म नहीं होता और वे किसी विशेष धार्मिक पहचान से नहीं जुड़े होते। उन्होंने कहा कि जो विवाद हुआ,वह गलतफहमी और बहकावे में आकर हुआ। इसके साथ ही किन्नरों ने आरोप लगाया कि समुदाय के कुछ लोग अनैतिक गतिविधियों में लिप्त हैं, जिससे एचआईवी जैसी गंभीर बीमारियां फैल रही हैं और पूरे समुदाय की छवि धूमिल हो रही है। एडीएम रोशन राय ने किन्नरों को संयम बरतने और सामाजिक मर्यादा बनाए रखने की समझाइश दी। प्रशासन ने मामले की गंभीरता से जांच करने का आश्वासन दिया।

## रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में दर्ज किया शानदार प्रदर्शन

**संवाददाता ● मुंबई**

भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में शुमार रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (आरएनएलआईसी) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने प्रमुख प्रदर्शन मापदंडों में स्थिरता और उत्कृष्टता का परिचय दिया, साथ ही ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और परिचालन दक्षता को और मजबूत किया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आरएनएलआईसी ने 247 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) हासिल किया, जो पिछले वर्ष (2023-24 में 198 करोड़ रुपये) की तुलना में 25% की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (AUM) 38,725 करोड़ रुपये तक पहुंची, जो साल-दर-साल 9% की वृद्धि को प्रदर्शित करती है। नया व्यवसाय प्रीमियम (NBP) 1,245 करोड़ रुपये तक बढ़ा, और कुल प्रीमियम 5,711 करोड़ रुपये रहा, जो व्यवसाय की सतत प्रगति को रेखांकित करता है। कंपनी ने 235% का मजबूत सॉल्वेंसी अनुपात बनाए रखा, जो नियामक आवश्यकताओं से कहीं अधिक है। यह एक ठोस वित्तीय स्थिति और विवेकपूर्ण पूंजी प्रबंधन का प्रमाण है।

ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण कंपनी की आधारशिला रहा, जिसमें 31 मार्च 2025 तक 98.9% का दावा निपटान अनुपात दर्ज किया गया। इस वर्ष, लगभग 5.4 लाख ग्राहकों को 3,523 करोड़ रुपये के लाभ का भुगतान किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8% की वृद्धि दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रीमियम* के आधार पर 13वें महीने की पर्सिस्टेंसी 80.8% रही, जो ग्राहकों के अटूट विश्वास और निरंतर जुड़ाव को दर्शाती है। सक्रिय सलाहकारों की संख्या में 13% की वृद्धि हुई, जिससे सलाहकार आधार बढ़कर लगभग 69,000 हो गया, जिसने कंपनी की पहुंच और सलाहकारी क्षमता को और सशक्त किया।

अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, आरएनएलआईसी ने भाग लेने वाले पॉलिसीधारकों के लिए बोनस की घोषणा की और वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 351 करोड़ रुपये के बोनस वितरित किए। इससे 5.2 लाख ग्राहकों को उनके निरंतर भरोसे के लिए पुरस्कृत किया गया। यह 24वां वर्ष है जब कंपनी ने लगातार बोनस की घोषणा की, जो ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वित्तीय सुरक्षा के प्रति आरएनएलआईसी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

कंपनी का एम्बेडेड मूल्य 7,397 करोड़ रुपये तक बढ़ा, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 6,885 करोड़ रुपये से अधिक है। यह सुसंगत व्यवसाय प्रदर्शन और परिचालन दक्षता में सुधार का परिणाम है।

**कर्मचारी कल्याणः** कंपनी को 2025 में ग्रेट प्लेस टू वर्क (GPTW स्रोत) के रूप में प्रमाणित किया गया, जो लगातार छठा वर्ष है। यह कर्मचारी कल्याण के प्रति कंपनी की अटल प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, सभी के लिए नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने वाले शीर्ष 50 बड़े कार्यस्थलों में भी कंपनी को मान्यता मिली।

**उत्पाद नवाचारः** IRDAI नियमों का अनुपालन करते हुए, कंपनी ने ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न खंडों में 6 नए, नवाचारी और विचारशील उत्पाद पेश किए।

## भोपाल मंडल में पूछताछ कर्मचारी अब होंगे अधिक सक्षम

### 'नेक्स्ट जनरेशन एनटीईएस' से यात्रियों को तुरंत मिलेगा सही जवाब

**संवाददाता ● भोपाल**

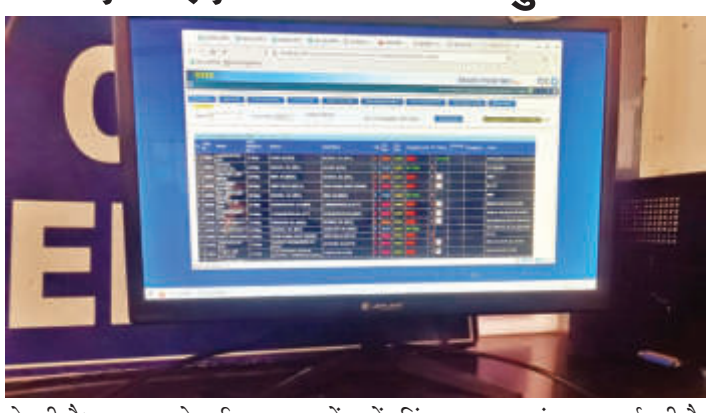

भोपाल रेलवे स्टेशन के पूछताछ काउंटर पर एक नई तकनीकी क्रांति की शुरुआत हुई है। अब 'नेक्स्ट जनरेशन एनटीईएस (नेशनल ट्रेन एनक्वायरी सिस्टम)' पोर्टल की मदद से पूछताछ पर कार्यरत रेलवे कर्मचारी पहले से कहीं अधिक सक्षम हो गए हैं। वे अब यात्रियों को न केवल तुरंत जानकारी दे सकेंगे, बल्कि पहले से अधिक सटीक, विस्तृत और रियल टाइम उत्तर भी दे पाएंगे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इस अत्याधुनिक पोर्टल के जरिए अब स्टेशन पर तैनात कर्मचारी कोच पोजिशन, ट्रेन की वर्तमान स्थिति, संभावित विलंब, आगमन-प्रस्थान की वास्तविक टाइमिंग और अगले 8 घंटे में आने वाली ट्रेनों की पूरी जानकारी एक क्लिक में उपलब्ध हो रही है। यह सारा डेटा रियल टाइम में अपडेट होता है, जिससे पूछताछ कर्मचारी बिना किसी देरी के हर सवाल का जवाब दे सकता है। इस तकनीक से सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ है कि अब यात्रियों को जवाब के लिए इंतजार नहीं करना पड़ता, और स्टेशन पर भ्रम की स्थिति खत्म होती है। लेकिन इस बदलाव का मुख्य केंद्रबिंदु पूछताछ काउंटर का कर्मचारी है, जो अब इस सिस्टम के जरिए पहले से कहीं अधिक दक्षता और आत्मविश्वास के साथ सेवा दे पा रहा है।

**इस सशक्तिकरण के प्रमुख लाभ**

- कर्मचारी को तुरंत सटीक जानकारी मिलने से यात्रियों को तेजी से और भरोसेमंद उत्तर मिल रहे हैं।
- कोच पोजिशन की पूर्व जानकारी से यात्रियों को भीड़ से बचते हुए सही स्थान पर समय से पहुंचने में मदद।
- रियल टाइम अपडेट्स से यात्रियों की उलझन और मानसिक तनाव में कमी।
- स्टेशन स्टाफ की कार्यक्षमता में सुधार और यात्री सेवा के स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि।
- यह सुविधा वर्तमान में भोपाल मंडल के 7 प्रमुख स्टेशनों – भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर, बीना, गुना, इटारसी एवं विदिशा – पर क्रमशः लागू की जा रही है।
- यह कदम भारतीय रेलवे के डिजिटल परिवर्तन अभियान का हिस्सा है, जो न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ा रहा है, बल्कि फ्रंटलाइन रेलवे कर्मचारियों को तकनीक से लैस कर रहा है, ताकि वे और बेहतर सेवा दे सकें।

## गोदरेज डीईआई लैब और वेस्टलैंड बुक्स ने 'क्विअर डायरेक्शन्स' नामक LGBTQIA+ पब्लिशिंग इम्प्रिंट लॉन्च किया

**इस वर्ष नॉन-फिक्शन साहित्य, कविता, अन्य विधाओं में छह किताबें होंगी प्रकाशित**

**संवाददाता ● मुंबई**

गोदरेज इंडस्ट्रीज समूह की विविधता और समावेशन पहल गोदरेज डीईआई लैब और वेस्टलैंड बुक्स ने आज 'क्विअर डायरेक्शन्स' (QD) नामक एक नई पब्लिशिंग इम्प्रिंट की घोषणा की — जो LGBTQIA+ समुदाय की आवाज़ों को गैर-काल्पनिक साहित्य, कविता और भविष्य में उपन्यास सहित विभिन्न विधाओं में प्रकट करने के लिए समर्पित है। इस साझेदारी के तहत इस वर्ष छह ऐसी आकर्षक किताबों के प्रकाशन की योजना है, जो समावेशी कहानी कहने और प्रतिनिधित्व को मजबूती से बढ़ावा देती है।

क्विअर डायरेक्शन्स का मूल उद्देश्य क्विअर अभिव्यक्ति, पहचान और जीवन अनुभवों का उत्सव मनाना है। प्रेरणादायक संस्मरणों से लेकर युवाओं के लिए कल्पनाशील कहानियों तक, यह पहल LGBTQIA+ सृजनकर्ताओं और पाठकों के बीच एक मजबूत और लगातार बढ़ता सेतु बनने का लक्ष्य रखती है। गोदरेज डीईआई लैब के प्रमुख और 'क्विअरिस्तान' के लेखक पार्मेश शाहनी इस इम्प्रिंट के सीरीज एडिटर होंगे। शाहनी ने कहा, "हमारा उद्देश्य एक सीमा नहीं, बल्कि एक पुल बनाना है। आज जब दुनिया भर में क्विअर अधिकारों को चुनौती दी जा रही है, यह इम्प्रिंट एकजुटता का कार्य है और LGBTQIA+ समुदायों के भीतर से नए, प्रामाणिक स्वर खोजने और उन्हें आगे बढ़ाने का एक मंच भी है। यह इम्प्रिंट क्विअर जीवन की विविधता को सीधे और गैर-क्विअर पाठकों तक पहुंचाएगा।"

वेस्टलैंड बुक्स, जिसने वर्षों में क्विअरिस्तान से लेकर उन्मना और शांतनु भट्टाचार्य जैसे लेखकों की सराही गई रचनाओं के माध्यम से LGBTQIA+ साहित्य की एक सशक्त श्रृंखला बनाई है, अब इस केंद्रित प्रकाशन कार्यक्रम के माध्यम से एक साहसिक कदम आगे बढ़ा रहा है। वेस्टलैंड बुक्स की प्रकाशक कार्तिका वी.के. ने कहा, "हम लंबे समय से यह सपना देख रहे थे कि कभी एक ऐसा समावेशी और वास्तव में इंटरसेक्शनल इम्प्रिंट शुरू करें, जो LGBTQIA+ क्षेत्र में नई आवाज़ों को खोजे और उन्हें आगे बढ़ाए। क्विअर डायरेक्शन्स वही सपना है। और हमें इससे बेहतर सहयोगी नहीं मिल सकते थे — गोदरेज डीईआई लैब और सीरीज एडिटर पार्मेश शाहनी — जो इस प्रयास को आकार देने और इसकी पहुंच को सशक्त बनाने में हमारे साथ हैं।"

**नर्मदा एक्सट्रूशंस लिमिटेड के दो संचालक गिरफ्तार**

# रिलायंस के एजेंट से 10 करोड़ 94 लाख की ठगी

**संवाददाता ● इंदौर**

**ठगी**

क्राइम ब्रांच ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के डेल क्रेडल एजेंट से 10 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नर्मदा एक्सट्रूशंस लिमिटेड के दो संचालकों को गिरफ्तार किया है। तीसरा आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। यह मामला जनवरी 2025 में तब सामने आया था, जब जेबीबी मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर रिषभ सचदेवा निवासी मीरा कुंज पलासिया, ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के मुताबिक, नर्मदा एक्सट्रूशंस के संचालकों प्रवीण मित्तल, प्रणव मित्तल और वरुण मित्तल ने रिलायंस से मंगवाया गया करोड़ों का कच्चा माल तो ले लिया, लेकिन उसका भुगतान नहीं किया। क्राइम ब्रांच ने रिषभ की शिकायत पर तीनों संचालकों के खिलाफ 10.94 करोड़रुपए की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। मंगलवार को पुलिस ने प्रवीण और प्रणव मित्तल को हिरासत में ले लिया, जबकि तीसरा आरोपी वरुण मित्तल फरार है।

**ये था मामला** - रिषभ सचदेवा रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स डिवीजन के लिए डेल क्रेडल एजेंट के तौर पर कार्य करते हैं। वे ग्राहकों को पॉलीक्रोन और पॉलीयान जैसे कच्चे माल की आपूर्ति कराते हैं। 2021 से उन्होंने मित्तल बंधुओं को भारी मात्रा में यह माल सप्लाई किया, जिसका भुगतान उन्होंने पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज को कर दिया था, लेकिन नर्मदा एक्सट्रूशंस लिमिटेड की ओर से उन्हें भुगतान नहीं किया गया। इसके चलते रिषभ को ब्याज सहित आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

**शर्तों का उल्लंघन कर धोखाधड़ी की**

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि मित्तल बंधुओं ने रिलायंस की निर्धारित शर्तों का उल्लंघन करते हुए यह धोखाधड़ी की। क्राइम ब्रांच ने इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए केस दर्ज किया और तीनों आरोपियों की तलाश शुरु की थी। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही तीसरे फरार आरोपी की तलाश जारी है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

## जल गंगा संवर्धन अभियान

# मंगलेश्वर मंदिर की बावड़ी साफ कर दिया जल संरक्षण का संदेश

संवाददाता ● इंदौर

अभियान

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत देपालपुर के प्रसिद्ध मंगलेश्वर मंदिर स्थित प्राचीन सूरजकुंड बावड़ी की सफाई का महाअभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में परिषद की समस्त प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र, नवांकुर, मेंटर तथा सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

सफाई अभियान के दौरान सूरजकुंड बावड़ी की गंदगी को हटाकर जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत देपालपुर के उपाध्यक्ष मोहनलाल ननवाना, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गोपाल कटेसरिया, पार्षद विमल यादव, पूर्व सैनिक विमल फौजी, सामाजिक कार्यकर्ता हरिराम सोलंकी, सेवा भारती के सोहन परमार, समाजसेवी पारस बारोड़, जिला समन्वयक ऋतुजा पहाड़े और सुरेशचंद्र यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। जिले के ग्रामीण अंचलों में तालाबों, नदियों एवं नालों की सफाई तथा गहरीकरण के कार्यक्रम श्रमदान के माध्यम से निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में मंगलेश्वर मंदिर परिसर स्थित सूरजकुंड बावड़ी पर यह आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें जल संरक्षण के महत्व पर चर्चा हुई और सभी प्रतिभागियों को जल बचाने की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात सभी ने श्रमदान करते हुए बावड़ी की सफाई की। कार्यक्रम का संचालन मेंटर हरिओम दुबे ने किया तथा आभार प्रदर्शन सेठी डोडिया द्वारा किया गया।

## शॉट न्यूज

### आदतन सात बदमाशों को कलेक्टर ने भेजा जिले के बाहर

**इंदौर**। जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी सिलसिले में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त सात आरोपियों को एक साथ जिलाबदर किया है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार जिन आरोपियों को जिलाबदर किया गया है उनमें गौतमपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम चांदनखेड़ी निवासी शाबिर पिता भीखा पटेल, ग्राम काकवा निवासी रतन पिता मांगीलाल उर्फ मांगू सिंह उर्फ शंकर सिंह तथा ग्राम चांदनखेड़ी निवासी असलम पिता भीखा पटेल, चंद्रावतीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बीबीखेड़ी निवासी अरविन्द पिता उमरावसिंह, क्षिप्रा थाना क्षेत्र के ग्राम सोलसिंधी निवासी देवीसिंह पिता चैनसिंह, बेटमा थाना क्षेत्र के ग्राम हिम्मतगढ़ रंगवासा निवासी हीरासिंह पति गणपतसिंह पंवार तथा खुड़ैल थाना क्षेत्र के ग्राम दुधिया चुनाभट्टी निवासी दीपक उर्फ टिंगू पिता गणेश कौशल शामिल है।

### अभियान चलाकर प्रशासन कर रहा समग्र आईडी की ई-केवायसी

**इंदौर**। शासन के निर्देशानुसार व्यवस्था लागू की गई है कि समग्र आईडी का आधार से ईकेवायसी कराने वाले नागरिकों को ही शासकीय योजनाओं/ सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। समग्र आईडी की ईकेवायसी नहीं कराने वाले नागरिकों को किसी भी शासकीय योजनाओं/ सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा। समग्र से आधार ई केवायसी का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में पिछले एक सप्ताह में 39 हजार 444 हितग्राहियों के समग्र आईडी की ईकेवायसी की गई है। बताया गया कि जिले में 67 लाख 95 हजार 843 समग्र आईडी बनी हुई है। इनका ईकेवायसी के माध्यम से सत्यापन होना है। यह सत्यापन आधार कार्ड के माध्यम से ईकेवायसी के द्वारा हो रहा है। अभी तक 21 लाख 90 हजार 524 समग्र आईडी सत्यापित की जा चुकी है।

## अखिल भारतवर्षीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा की बैठक पुष्कर में सम्पन्न

# समाज का हर सदस्य समृद्ध हो, इसके लिए कार्ययोजना बनाना जरूरी : जोशी

संवाददाता ● इंदौर

आयोजन

अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण महासभा ने अगले 5 वर्ष में 1 लाख नए सदस्य बनाने का संकल्प लेते हुए निर्णय लिया कि समाज के हर सदस्य को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए कार्ययोजना बनाई जाएगी। बैठक में महासभा का भवन बनाने के लिए अखिल भारतीय युवक संघ को अधिकृत करते हुए जनगणना का काम भी सौंपा गया है। बैठक में समाजोत्थान के अनेक प्रस्तावों पर एक राय से सहमति बनी और इनके क्रियान्वयन के लिए एक कोर ग्रुप के गठन का निर्णय लिया गया। राजस्थान के पुष्कर में सम्पन्न सत्र 2025-29 की प्रथम कार्यकारिणी बैठक की अध्यक्षता समाज के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी ने की। बैठक में इंदौर से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि नगरसभा अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास के नेतृत्व में शामिल हुए।

बैठक में पारित प्रस्तावों की जानकारी देते हुए उपप्रधानमंत्री मधुसूदन जोशी ने बताया कि समाज का हर एक सदस्य आर्थिक रूप से समृद्ध हो इस बाबत कार्ययोजना बनाना आवश्यक है। महासभा के उद्देश्यों व रीति नीति व प्रस्तावित बिन्दुओं पर बैठक में विभिन्न पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा विस्तृत चर्चा कर सर्वानुमति से लिए गए प्रस्तावों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान के आर्थिक युग में महासभा की आर्थिक स्थिति को समृद्ध बनाने बाबत युवक संघ द्वारा लिए गए प्रस्ताव पर सहमति जताई तथा कार्य योजना पर प्रकाश डालते हुए आगामी वर्षों में महासभा द्वारा एक लाख नये सदस्य जोड़े जाएंगे। ये सभी सदस्य गोल्ड मेम्बर कहलायेंगे।

उन्होंने योजना के प्रस्तावित रूप पर चर्चा करते हुए कहा कि समस्त नये सदस्य एक रुपये प्रतिदिन की बचत कर आजीवन सदस्य रहकर पांच लाख तक के दुर्घटना बीमा से लाभान्वित हो सकेंगे।

### अनुशासनहीनता पर देना होगा स्पष्टीकरण भी

इस अवसर पर महासभा अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी ने संगठन की एकता और अनुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि समाज के किसी भी पदाधिकारी या सदस्य द्वारा अनुशासनहीनता किए जाने पर महासभा के विधान के अनुसार उनसे स्पष्टीकरण मांगे जाने का भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। अध्यक्ष जोशी ने बताया कि महासभा द्वारा विगत वर्षों में समूचे भारत देश के गौतमाश्रमों में लगभग 150 महर्षि गौतम की मूर्तियां स्थापित किये जाने की परम्परा को यथावत बनाए रखने बाबत बैठक में मूर्ति प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया। इसके संयोजक रवि शंकर शर्मा (जयपुर) को प्रभार दिया गया, जिसके तहत समाज के सार्वजनिक भवनों में महर्षि गौतम की नि:शुल्क प्रतिमा प्रदान की जाएगी और प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा का समस्त व्यय समाज द्वारा वहन करने का भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। महासभा के राष्ट्रीय प्रभारी ओमप्रकाश उपाध्याय ने अपने सम्बोधन में समाज के उत्थान पर चर्चा करते हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन की महति आवश्यकता जताई। उपाध्याय ने विगत वर्षों में चित्तौड़गढ़ में महासभा द्वारा 1331 कन्याओं का विवाह सामूहिक विवाह सम्मेलन में कराने की जानकारी देते हुए बताया कि 101 वर-वधू के जोड़ों का आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन चित्तौड़गढ़ महासभा द्वारा मण्डफिया स्थित सांवलिया जी में कराया जाना है। सम्मेलन में भोजन व्यवस्था स्वयं उपाध्याय परिवार व महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट कमलेश भट्ट द्वारा किए जाने की भी घोषणा की।

### महासभा की आगामी बैठक होगी फलोदी में

बैठक में प्रधानमंत्री प्रद्युम्न जोशी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बैठक के प्रस्तावित बिन्दुओं की जानकारी दी। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट कमलेश भट्ट, पूर्व प्रधानमंत्री जय किशन पंचारिया, पूर्व महासभा अध्यक्ष व मुख्य संरक्षक सत्यप्रकाश जोशी, हरिद्वार गौतमाश्रम के पूर्व अध्यक्ष व युवा उद्योगपति अरुण कुमार जोशी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश अरविंद तिवारी, राष्ट्रीय महासचिव राजेश तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवशंकर व्यास, शिक्षाविद कुंजबिहारी गौतम, राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र गौतम, प्रान्तीय अध्यक्ष विशाल शर्मा, गुजरात प्रदेशाध्यक्ष अशोक श्रोत्रिय धनसुरा, मध्यप्रदेश प्रदेशाध्यक्ष राजेश त्रिवेदी, नरेश झांझड़ा आदि कई पदाधिकारियों व समाजजनों ने समाजोत्थान पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानमंत्री प्रद्युम्न जोशी ने बताया कि महासभा की आगामी बैठक फलोदी में आयोजित की जाएगी।

साथ ही गोल्डन मेम्बर होने से समूचे भारत देश में समाज द्वारा निर्मित भवनों के उपयोग पर 25 प्रतिशत छूट का लाभ भी उन्हें मिलेगा। बैठक में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जोशी ने महासभा के मुख्यालय की महति आवश्यकता बताते हुए कहा कि केन्द्रीय कार्यालय भवन दिल्ली या जयपुर में प्रस्तावित होने से उसके निर्माण में अनुमानित बीस करोड़ की राशि खर्च होने पर भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। महासभा अध्यक्ष जोशी ने बताया कि बैठक में युवक संघ द्वारा समाज की जनगणना कराने के प्रस्ताव का महासभा द्वारा चर्चा कर अनुमोदन किया गया। जनगणना कार्य की जिम्मेदारी युवक संघ को प्रदान करने का भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। महिला महासभा की बैठक की अध्यक्षता कर रही राष्ट्रीय अध्यक्ष माया त्रिवेदी ने महिला सशक्तिकरण तथा शिक्षा सेवा कार्यों के साथ ही युवा बेटियों व बहुओं को जिम्मेदारी देने पर विस्तार से कार्य योजना पर चर्चा करते हुए प्रस्ताव लिए जाने पर महासभा द्वारा प्रस्ताव का अनुमोदन भी किया गया। इधर युवक संघ की हुई बैठक में राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष अनिल जोशी ने संस्कारों का महत्व बताते हुए युवाओं से मर्यादाओ में रह कर महासभा के विधान के अनुसार कार्य करने व विधान के अनुसार लिए गये प्रस्तावों को जिम्मेदारी के साथ क्रियान्वयन करने का आह्वान किया।

## न्याय के क्षेत्र में आपकी सेवाएं अस्मरणीय हैं : सत्यनारायण पटेल

संवाददाता ● इंदौर

न्याय क्षेत्र में आपकी सेवाएं अस्मरणीय हैं और आप इस क्षेत्र में अपन प्रतिभा से न्याय से वंचित लोगों को न्याय दिलाने में मददगार हैं। आपके इन कार्यों की हम सराहना करते हैं कि आप निःस्वार्थभाव से जरूरतमंदों की मदद कर अपने कर्तव्यों के प्रति खरे उतरेंगे यह मेरी आशा है। उक्त विचार नवनिर्वाचित अभिभाषक संघ के पदाधिकारियों के सम्मान में अभा कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने कहे। इस अवसर पर अध्यक्षता कर रहे मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल के सदस्य जय हार्डिया ने कहा कि अभिभाषक मेरे भाई हैं। हम सब मिलकर जरूरतमंदों को न्याय दिलाने में सदैव अग्रणी रहेंगे। एडवोकेट संतोष यादव ने स्वागत भाषण दिया। जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल और समाजसेवी मदन परमालिया ने बताया कि श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट द्वारा इन्दौर जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लखनलाल यादव, उपाध्यक्ष जितेन्द्र निम काका, सचिव कपिल बिरथरे, सह सचिव विजय व्यास, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम सोमानी, सदस्यगण नेहा रूहेला, जितेन्द्र यादव, महेश सोनगरा, दीपाली बेरी, नेहा रावत (जैन), उमंग मीठा का सम्मान समारोह रीगल तिराहा स्थित इंडियन कॉफी हाउस में किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से चेतन चौधरी, नरेन्द्र सूर्यवंशी, हेमन्त यादव, कुलदीप पाटीदार, सौरभ हार्डिया, सौरभ वर्मा, मिलिन्द जोशी, विकास यादव, बंटी कुमरावत, संजय जयंत आदि उपस्थित थे।

## मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक 20 मई को

संवाददाता ● इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आगामी 20 मई को इंदौर में राज्य मंत्रिमंडल की एक महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक प्रशासनिक दृष्टि से जितनी अहम है, उतनी ही सांस्कृतिक और विकासात्मक दृष्टि से भी इंदौर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इस बैठक को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। कैबिनेट बैठक के साथ-साथ प्रस्तावित विशेष कार्यक्रमों और शहर के प्रमुख स्थलों के दौरे की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है। महापौर ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया गया है कि वे 19 मई की रात को समस्त मंत्रिमंडल के साथ इंदौर पधारें, ताकि वे माँ अहिल्या की 300वीं जयंती वर्ष के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले सकें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री व मंत्रीगण इंदौर के प्रसिद्ध सराफा बाजार का दौरा भी करें ऐसा उनसे आग्रह किया है। इस विजिट का उद्देश्य शहर की सांस्कृतिक, व्यंजन एवं व्यापारिक पहचान को राष्ट्रीय पटल पर और अधिक सशक्त करना है। 20 मई को होने वाली कैबिनेट बैठक के पश्चात, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में इंदौर में चल रहे प्रमुख विकास कार्यों का निरीक्षण भी किया जाएगा।

## ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर का नहीं अनुशासन पर ध्यान

# सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग में 11 बजे तक डॉक्टर नदारद, मरीज होते रहे परेशान

संवाददाता ● इंदौर

सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग केंद्र देपालपुर में डॉक्टर की अनुपस्थिति से आसपास की जनता इलाज के परेशान होती रहती है। सरकार ने सभी सरकारी कार्यलयों में 10 बजे का समय सुनिश्चित किया किन्तु देपालपुर सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण मंगलवार को देखने को मिला जहां मरीजों की सुबह से भीड़ लगी हुई थी। जो अपना नंबर आने का इंतजार कर रहे थे किंतु 11 बजे तक अस्पताल में डॉक्टर अनुपस्थित रहे, जिससे लोग परेशान होकर इधर उधर के चक्कर लगाते नजर आ रहे थे।

जानकारी के अनुसार मंगलवार के दिन चार डॉक्टरों की ड्यूटी रहती है जिसमें से एक होम्योपैथी महिला डॉक्टर समय पर पहुंची बाकी तीन नदारद रहे और सबसे बड़ी बात तो यह है कि ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर वंदना केसरी को पता नहीं होता है कि अस्पताल में डॉक्टर हैं या नहीं। इससे ऐसा लगता है कि ब्लाक मेडिकल ऑफिसर का अस्पताल के अधिकारियों व कर्मचारियों पर अनुशासन नहीं है। देपालपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग केंद्र पर क्षेत्र के करीब 60 गांव की जनता निर्भर है, लेकिन फिर भी शासन प्रशासन के जिम्मेदार इस पर कोई ध्यान नहीं देते है इस वजह से गरीब लाचार लोग सरकारी अस्पताल में इलाज नही मिल पाता है जिसकी वजह से उनको बड़े शहरों की ओर रुख करना पड़ रहा है।

## अधिकारियों के लिए परेशानी का सबब बना एजुकेशन पोर्टल अपग्रेडेशन

# शिक्षा विभाग बार-बार भेज रहा डाटा भोपाल पहुंचता नहीं

संवाददाता ● इंदौर

परेशानी

एजुकेशन पोर्टल को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए हाल ही में इसे अपडेट किया गया। इस अपडेशन को एजुकेशन पोर्टल 3 नाम दिया गया। हालांकि अपग्रेडेशन के बाद से ही एजुकेशन पोर्टल 3 ठीक प्रकार से कार्य नहीं कर रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा इसके माध्यम से कई बार डाटा लोक शिक्षण संचालनालय भेजा गया, लेकिन बताया जाता है कि एक बार भी वहां पर डाटा रिसीव नहीं हो पाया है। सूत्र बताते हैं कि हाल ही में एक बार फिर अधिकारी कर्मचारियों ने डाटा भोपाल भेजा लेकिन वहां के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें किसी प्रकार का डाटा प्राप्त नहीं हुआ है। बताते हैं कि मामला अब लोक शिक्षण आयुक्त के संज्ञान में भी आ चुका है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार बार-बार एक ही डाटा भोपाल भेज कर वे परेशान हो चुके हैं। इससे ज्यादा परेशानी तब होती है कि भोपाल के अधिकारी बोलते हैं कि उन्हें कुछ प्राप्त ही नहीं हुआ। हालांकि वर्तमान में स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश चल रहा है। अगले शैक्षणिक सत्र 15 जून से शुरू होगा।इसके पहले स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा। शासन के स्कूल चलें हम अभियान और सर्वशिक्षा अभियान की प्रक्रिया भी साथ-साथ चलेगी। इस दौरान एजुकेशन पोर्टल की मदद कारगर साबित होगी। इस काम के लिए सभी जिलों के लोक शिक्षण विभाग से जरूरी जानकारी का संग्रहण किया जाना हैताकि पोर्टल को अपग्रेड किया जा सके। एजुकेशन पोर्टल 3 में विभाग, बच्चे, कर्मचारी और योजनाओं सहित सभी आवश्यक जानकारी अपलोड की जाएगी।

### आम लोग भी इस पोर्टल से ले सकेंगे जरूरी जानकारी

अधिकारियों का कहना है कि अपग्रेडेशन के बाद यह पोर्टल न केवल शिक्षा विभाग के कार्यों को ऑनलाइन करेगा, बल्कि इससे सारी जानकारी सार्वजनिक रुप से उपलब्ध होगी, जिसे कोई भी देख और उपयोग कर सकेगा।पोर्टल से संबंधित योजनाओं और विभागीय संचालनालय कार्यों को भी आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा। लोक शिक्षण विभाग ने इस संदर्भ में कई बार जिले के अधिकारियों से संपर्क किया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और पत्राचार के माध्यम से जानकारी भेजने की अपील की गई है। बावजूद इसके सभी जिलों से जरुरी डेटा प्राप्त नहीं हो सका है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का मानना है कि अगर यह जानकारी जल्दी नहीं भेजी जाती तो पोर्टल का अपग्रेडेशन और विभाग के कार्यों में और अधिक देरी हो सकती है।

# इंफ्लुएंसर-संस्कृति अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है

हम स्क्रॉल करते हैं, लाइक करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन कभी-कभी एल्गोरिदम हमें कुछ ऐसा दिखा देता है, जो हमें रोक देता है- जैसे कि मीशा अग्रवाल की आत्महत्या की खबर, या बाबिल खान का इंस्टाग्राम पर लाइव आकर विलाप करना। और बस, इंफ्लुएंसर-जीवन का चमकदार आवरण उतर जाता है, पता चल जाता है कि यह क्या है : एक सुनहरा पिंजरा। मीशा अग्रवाल वो सब थीं, जिसका इंफ्लुएंसर-इकोनॉमी जश्न मनाती है- युवा, स्टाइलिश, बड़ी फॉलोइंग और उनके नाम से जुड़ा एक फैशन-लेबल। उनका कंटेंट अच्छा था, उनकी पोस्ट के कैप्शंस क्यूरेटेड होते थे और उनका पहनावा उनकी आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता था। और इस सबके बावजूद, उसके पीछे एक महिला एक ऐसे अंधेरे से जूझ रही थी, जिसे हम देखने में नाकाम रहे थे- या जिसे हमने देखना नहीं चाहा। भला कौन डिप्रेशन पर डबल-टैप करना चाहेगा?

फिर आए बाबिल खान, जो इरफान के बेटे हैं, एक सेलेब्रिटी-विरासत के अनिच्छुक उत्तराधिकारी हैं। वे लाइवस्ट्रीम पर रो पड़े। जरूरत से ज्यादा निगरानी के दबाव से टूट गए। हर समय ह्यऑनह्ण रहने का दबाव, एक क्लिकेबल-हेडलाइन तक सीमित हो जाने की मायूसी। उन्होंने कहा, ₹मुझे अब बिलकुल नहीं पता कि मैं कौन हूं।' और वे भला कैसे जान सकते थे? एक ऐसी दुनिया में, जहां लाइक्स से ही पहचान को मान्यता मिलती है और ऑनलाइन चुप्पी को विफलता के रूप में देखा जाता है, वहां अपने जैसा होने का हाशिया ही कहां है? दो युवा जिंदगियां। और एक कठोर सत्य : इंफ्लुएंसर- संस्कृति चुपचाप अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है। लेकिन सच कहें तो यह हम सभी की कहानी है।

हम ऐसी पीढ़ी हैं, जो धारणाओं की बंधक बन चुकी है। आज पहचानें बनाई नहीं जातीं- ब्रांड की जाती हैं। आप अपना जीवन जी नहीं रहे होते, आप इसे लाइव-स्ट्रीम कर रहे होते हैं। और अगर आपकी इंगेजमेंट घटती है तो आपकी कीमत भी कम हो जाती है। चौबीसों घंटे उत्साहित, सुंदर और सफल दिखने का दबाव न केवल थका देने वाला है- यह अमानवीय भी है। यह एक

**शुक्र है कि संघर्ष-विराम हो गया। हालांकि यह चौंकाने वाला था कि कितने सारे भारतीय पाकिस्तान से आर-पार की लड़ाई चाहते थे। टीवी मीडिया ने भी नाटकीय सायरनों, पाकिस्तान में भारतीय सैनिकों के प्रवेश की फर्जी खबरों और कराची बंदरगाह को नष्ट करने के झूठे दावों के साथ उन्माद को बढ़ाने में योगदान दिया। सोशल मीडिया ने भी आग में घी डाला। इस पर सवाल उठाने वाले को देश-विरोधी, पाकिस्तान-समर्थक, बुजदिल करार दिया गया। तो क्या भारत के पास पाकिस्तान जैसे विफल-देश से लड़ने के अलावा और कुछ बेहतर करने को नहीं है?**

परेशान करने वाला एहसास है कि हर चीज के प्रदर्शन के इस युग में, आपकी कीमत इंगेजमेंट-मीट्रिक में मापी जाती है। लाइक्स जीवन-रेखा बन जाते हैं। रील वास्तविकता बन जाती है। और अगर आप लॉग-ऑफ करके स्क्रीन से गायब हो जाते हैं, तो जैसे आपका कोई अस्तित्व ही नहीं रह जाता।

इससे भी बुरी बात यह कि आज हमारी कमजोरियां भी नुमाइश का सामान हो गई हैं। रोएं, लेकिन सौंदर्यपूर्ण तरीके से। सच बोलें, लेकिन ऐसे कि इससे आपको ब्रांड-डील्स का नुकसान हो। शेयर करें, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं- कहीं ऐसा न हो कि ट्रोल आपके पीछे पड़ जाएं। हालत यह है कि आज हम प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी मानसिक-शांति को दांव पर लगा चुके हैं। आज इन्फ्लुएंसर्स पूंजीवाद की नई फ्रंटलाइन हैं। वे हमें फिल्टर्ड और स्पॉन्सर्ड पोस्ट्स में सपने बेचते हैं। लेकिन हम कभी नहीं पूछते कि जब सपने देखने वाला अपने सपनों के नीचे दब जाता है तो क्या होता है? मीशा और बाबिल ने एक ऐसे जीवन का क्रूर परिणाम उजागर किया है, जो हमेशा डिस्प्ले पर होता है। जहां आपकी चुप्पी संदिग्ध समझी जाती है। जहां आपकी ईमानदारी आप पर एक बोझ है और आपकी थकावट आपके ब्रांड के लिए एक जोखिम। इन्फ्लुएंसर-अर्थव्यवस्था भ्रमों पर चलती है। इसमें आपको हमेशा एल्गोरिदम-फ्रेंडली होना पड़ता है। हमने एक ऐसी मशीन बनाई है, जहां क्रिएटर्स से सबकुछ होने की उम्मीद की जाती है। यह थकाऊ है। अमानवीय भी। तो हम यहां से कहां जाएं? अव्वल तो हम यह याद कर सकते हैं कि कोई भी तस्वीर पूरी कहानी नहीं बताती। कोई भी संख्या मूल्यों को नहीं माप सकती। हर हाईलाइट रील के पीछे एक इंसान होता है, जिसमें सबकी तरह डर, खामियां और भावनाएं होती हैं। समय आ गया है कि सुनना शुरू करें, सिर्फ लाइक करना नहीं। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे, तो हम अगली मीशा को भी स्क्रॉल करके छोड़ देंगे।

## संत वचन

आज, चर्च एंटिओक के प्रसिद्ध सेंट इग्नाटियस का पर्व मनाता है, जो एक महान चर्च फादर और प्रारंभिक चर्च के प्रसिद्ध शहीदों में से एक थे, जिनका साहस, विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण वास्तव में हम सभी के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायक है। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा।

# मतदाताओं को उम्मीदवारों के विरुद्ध वोट देने का

हाल ही में विधि सेंटर फॉर लीगल रिसर्च द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई की गई। इसमें उस स्थिति में भी मतदाताओं को नोटा का विकल्प देने के बारे में चर्चा की गई, जब एक ही उम्मीदवार मैदान में हो। इसके जरिए हमें इस पर चर्चा करने का अवसर मिला कि भारतीय चुनावों में नोटा कितना प्रासंगिक है? अगर एक ही उम्मीदवार मैदान में हो, क्या तब भी चुनाव कराना वांछनीय है? क्योंकि वैसी स्थिति में चुनाव न कराने का यह मतलब होगा कि मतदाताओं को नोटा के जरिए उस एक उम्मीदवार के खिलाफ अपनी राय व्यक्त करने का मौका नहीं दिया गया और उसे निर्विरोध चुन लिया गया।

यह सच है कि नोटा से वांछित परिणाम नहीं मिलते, फिर भी हमें नहीं भूलना चाहिए कि नोटा हमारी चुनावी प्रणाली को स्वच्छ और उत्तरदायी बनाने के प्रयास में एक आगे का रास्ता है। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि नोटा को भारतीय चुनावों में पहली बार 2013 में पीयूसीएल द्वारा दायर जनहित याचिका के आधार पर पेश किया गया था, जिसमें मतदाता के मतदान न करने के अधिकार को मान्यता देने के लिए एक मैकेनिज्म की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग सभी निर्वाचन क्षेत्रों में नोटा को अनिवार्य बनाने के विचार के खिलाफ नजर आया, उस स्थिति में भी जब मैदान में एक ही उम्मीदवार हो। लेकिन चुनाव आयोग के वकील द्वारा दिए तर्क ठोस नहीं लगते। आयोग ने खुद ही आंकड़े पेश किए कि 1971 से लेकर आज तक पिछले 54 सालों में हुए सभी लोकसभा चुनावों में अब तक केवल छह बार निर्विरोध चुनाव हुए हैं। एक अन्य डेटा के अनुसार 1952 से अब तक केवल 9 बार ही ऐसे मामले आए हैं, जब उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए।

एडिट.नोट

चुनाव आयोग के वकील ने कहा, निर्विरोध चुनाव होने की संभावना बहुत कम हो गई है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट को ऐसी जनहित याचिका पर विचार भी नहीं करना चाहिए। प्रत्यक्ष निर्विरोध चुनावों में नोटा को उम्मीदवार मानना कानून के अनुरूप नहीं है और इसके लिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 और चुनाव संचालन नियम 1961 में संशोधन की जरूरत होगी। जब चुनाव आयोग इतनी बड़ी संख्या में निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव करा सकता है, तो ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में भी चुनाव कराना- जहां एक ही उम्मीदवार हो- उसके लिए ऐसा अतिरिक्त काम है, जिसे वह हैंडल नहीं कर सकता? ऐसा होना तो नहीं चाहिए। यह सच है कि प्रतिशत के लिहाज से देखें तो नोटा लागू होने के बाद से हुए तीन लोकसभा चुनावों (2014, 2019 और 2024) में सिर्फ 1% से थोड़े ज्यादा मतदाताओं ने ही उपरोक्त में से किसी को वोट नहीं देने का निर्णय लिया है। लेकिन संसदीय क्षेत्रों में मतदाताओं के आकार को देखते हुए- जिनमें से प्रत्येक में औसतन लगभग 25 लाख मतदाता हैं- नोटा को वोट देने वालों की ये संख्या भी कम नहीं है।

बिहार में 2015 के चुनाव के दौरान 2.48% और गुजरात में 2017 के चुनाव के दौरान 1.8% लोगों ने नोटा को वोट दिया था। नोटा लागू होने के बाद हुए पहले चुनावों में उसे चुनने वालों का प्रतिशत अधिक था, लेकिन बाद में इसमें गिरावट आई। चूंकि नोटा का वर्तमान प्रावधान शक्तिहीन है, और उसकी कोई वैधता नहीं है, इसलिए मतदाता उसके इस्तेमाल से हिचकते हैं। वर्तमान प्रणाली यह है कि अगर किसी उम्मीदवार को केवल एक वोट मिले और शेष सभी नोटा को वोट दें, तब भी वह एक वोट पाने वाला उम्मीदवार जीत जाएगा। इस प्रणाली में सुधार जरूरी है। ऐसा दो तरह से किया जा सकता है। पहला, निर्वाचन के लिए उम्मीदवार द्वारा प्राप्त वोटों का न्यूनतम प्रतिशत निर्धारित करना, जो निर्वाचन क्षेत्र के आकार पर निर्भर करता हो। दूसरा, नोटा को वैधता प्रदान करना, ताकि किसी विशेष चुनाव में कुछ प्रतिशत मतदाताओं द्वारा नोटा का विकल्प चुनने पर पुनः चुनाव का प्रावधान किया जाए।

शेखर अय्यर- लेखक

# दुनिया ने पाकिस्तानी फौज की बदहाली देख ली है

भारत और पाकिस्तान के मौजूदा टकराव में संघर्ष-विराम के लिए बातचीत की पहल पाकिस्तान ने की थी। हालांकि, गोलीबारी और सैन्य-कार्रवाई रोकने का फैसला सीधे दोनों देशों के बीच हुआ, लेकिन बातचीत की पहल पाक डीजीएमओ ने की, जिसके बाद चर्चा हुई और सहमति बनी। किसी अन्य मुद्दे पर बातचीत करने का कोई फैसला नहीं हुआ। डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि संघर्ष-विराम के पीछे अमेरिका है। उन्होंने संकेत किया कि एक हैरान कर देने वाली खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके चलते चीन इस संघर्ष में शामिल हो सकता था। चीन हथियार- आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए ऐसा करता। कारण, पाकिस्तानी सेना द्वारा उपयोग किए गए चीन-निर्मित हथियार कारगर साबित नहीं हुए थे।

बड़ा सवाल यह है कि क्या पाकिस्तानी सेना में लड़ने की क्षमता नहीं है? भारत ने चार दिनों के संघर्ष में दुनिया को दिखा दिया कि उसके पास पाकिस्तान की मिसाइलरोधी प्रणालियों और हवाई ठिकानों को नष्ट करने कीक्षमता है। पाकिस्तान भी ड्रोन और मिसाइलें भेज रहा था, लेकिन वे लक्ष्य से चूकते रहे। एक चौंकाने वाली घटना में पाकिस्तानी सेना ने एक मिसाइल को गलत तरीके से दागा, जो अपने लक्ष्य से पूरी तरह चूक गई और नागरिक आबादी वाले इलाके में एक गुरुद्वारे के पास जा गिरी। विस्फोट से खिड़कियां टूट गईं और सिखों में दहशत फैल गई। अगर यह प्रार्थना के समय हुआ होता तो बड़े पैमाने पर लोग हताहत हो सकते थे। यह कोई अलग-थलग मामला नहीं है। पाकिस्तान की मिसाइल प्रणाली की खराब टारगेटिंग का एक लंबा रिकॉर्ड है। 2022 में भी एक छोटी दूरी की मिसाइल के परीक्षण के दौरान प्रोजेक्टाइल पाकिस्तान में ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। 2024 की शुरूआत में भी इसी तरह के एक परीक्षण अभ्यास के दौरान मिसाइल अपनी ट्रैजेक्टरी से भटककर हवा में ही फट गई थी। इससे भी पाकिस्तान की क्षमताओं पर सवाल उठे थे। इस बार गुरुद्वारे की घटना इसलिए ज्यादा चौंकाने वाली है, क्योंकि यह न केवल तकनीकी विफलता थी, बल्कि कूटनीतिक और सामुदायिक हादसा भी था। इसमें निशाने पर एक धार्मिक अल्पसंख्यक वर्ग था, जो पहले ही पाकिस्तान में भेदभाव का सामना कर रहा है। बात केवल खराब टारगेटिंग की ही नहीं है। पाकिस्तानी हथियारों की गुणवत्ता भी बदतर है। दोषपूर्ण गाइडेंस-सिस्टम से लेकर नाकाम प्रोपल्शन तक- समस्याएं हर तरफ हैं।

भारतीय वायु रक्षा ने हरियाणा के सिरसा में एक पाकिस्तानी फतेह-1 मिसाइल को रोका और नष्ट कर दिया। इस मिसाइल को पाकिस्तान के गौरव के रूप में प्रचारित किया गया था, जबकि यह कई बार दुर्घटनाग्रस्त हुई है, रास्ते से भटकी है या लॉन्च होने में ही नाकाम रही है। पाकिस्तान के अधिकांश हथियार पुराने, क्षतिग्रस्त या पूरी तरह से अनुपयोगी हैं। टैंक खराब हो जाते हैं, प्रशिक्षण के दौरान जेट दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं और चीन से खरीदे गए ड्रोन उड़ान भरने में नाकाम हैं। दरअसल, यह युद्ध के लिए तैयार सेना नहीं, जर्जर मशीनरी का संग्रहालय है! जहां वजीरिस्तान में आतंकवादी, बलूचिस्तान में विद्रोही और सिंध में अलगाववादी अपनी जमीन मजबूत कर रहे हैं, वहीं सेना धरती गंवा रही है। अप्रैल में बलूच-विद्रोहियों के द्वारा लगाई घात के दौरान पाकिस्तानी जवानों ने अपनी चौकियां छोड़ दी थीं। ईंधन की कमी और उपकरणों की विफलता के कारण अज्म-ए-नौ जैसे सैन्य अभ्यासों में देरी हुई। आज हम जो पाकिस्तानी सेना देख रहे हैं, वह चीन के कबाड़ हथियारों, अधिग्रहण में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया मैनिपुलेशन पर जीवित है। अब वह एक पेशेवर लड़ाकू बल नहीं रह गई है। दुनिया को यह हकीकत देखनी चाहिए कि आज पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बाहरी नहीं, उसकी अपनी खोखली सेना है। आज हम जो पाकिस्तानी सेना देख रहे हैं, वह चीन के कबाड़ हथियारों, अधिग्रहण में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया मैनिपुलेशन पर जीवित है। पाकिस्तान के लिए बड़ा खतरा बाहरी नहीं, उसकी अपनी खोखली सेना है।

## बिजनेस

# अप्रैल में थोक-महंगाई 13 महीने के निचले स्तर 0.85% पर: खाने-पीने के सामान की कीमतों में गिरावट का असर

**नई दिल्ली।** अप्रैल महीने में थोक महंगाई 2.05% से घटकर 0.85 % पर आ गई है। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में महंगाई 0.53% पर थी। वहीं फरवरी 2025 की महंगाई दर को सरकार ने संशोधित किया है। इसे 2.38% से बढ़ाकर 2.45% कर दिया गया है।

रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई घटी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यानी 14 मई को ये आंकड़े जारी किए। रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें सस्ती हुईंरोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 0.76% से घटकर -1.44% हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 4.66% से घटकर 2.55% हो गई।

फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 0.20% से घटकर -2.18% रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 3.07% से घटकर 2.62% रही।थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए हढकको कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। हढक में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। होलसेल महंगाई के तीन हिस्से प्राइमरी आर्टिकल, जिस्का वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं। फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, गेहूं, सब्जियां नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं

मिनरल्स क्रूड पेट्रोलियम महंगाई कैसे मापी जाती है? भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (उढक) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (हढक) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है।

## राज-काज

### अमेरिका-चीन टैरिफ पर क्यों झुके

**नई दिल्ली।** अमेरिका और चीन ने बढ़ते टैरिफ वॉर को लगभग समाप्त कर लिया है। दोनों देशों ने जेनेवा में ट्रेड डील की और 115% टैरिफ कटौती का ऐलान किया। दोनों के बीच यह समझौता फिलहाल 90 दिनों के लिए है। अमेरिका ने चीनी सामानों पर 145% और चीन ने अमेरिकी सामानों पर 125% टैरिफ लगा रखा है। इस कटौती के बाद चीन पर अब 30% और अमेरिका पर 10% टैरिफ रह जाएगा। इस समझौते पर अमेरिका ने कहा कि चीन के साथ मतभेद उतने बड़े नहीं थे जितना सोचा था। लेकिन कई और कारण हैं जो इस समझौते के लिए जिम्मेदार हैं... चीनी आयात पर 145% अमेरिकी टैरिफ और चीन के 125% जवाबी टैरिफ ने दोनों के बीच सालाना एवरेज 610 बिलियन डॉलर के व्यापार पर काफी दबाव पड़ा। अमेरिका के रिटेल बिजनेस पर बढ़ती कीमतों का सीधा असर पड़ रहा था। इससे कंज्यूमर एक्सपेंडिचर कम हो रहा था।

## भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच 17% तक चढ़े डिफेंस शेयर

# गार्डन रीच शिपबिल्डर्स का शेयर 16% चढ़ा; कोचीन शिपयार्ड में 8% की तेजी रही

**मुंबई।** भारत पाकिस्तान तनाव के बीच भारतीय डिफेंस स्टॉक्स में लगातार तेजी बनी हुई है। बुधवार,14 मई को कोचीन शिपयार्ड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स ॅर मझगांव डॉक जैसी कंपनियों के शेयर 17% तक चढ़े। जबकि निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स में 3% की तेजी रही। ब्रोकरेज फर्म्स का मानना है कि सरकारी ऑर्डर बढ़ने, घरेलू उत्पादन पर फोकस और निर्यात में बढ़ोतरी के चलते डिफेंस स्टॉक्स लगातार निवेश हो रहा है।

पिछले 1 महीने में कोचीन शिपयार्ड ने 23% तो वहीं पारस डिफेंस जैसे शेयर ने 42% रिटर्न दिया है। गार्डन रीच शिप बिल्डर्स का शेयर 17% चढ़ा ढरव डिफेंस स्टॉक गार्डन रीच शिप बिल्डर्स (ॠफरए) आज 16% तेजी के साथ 2,212 रुपए पर बंद हुआ। वहीं कोचीन शिपयार्ड का शेयर में 8% की तेजी के साथ 1,699 रुपए पर बंद हुआ। मझगांव डॉक और पारस डिफेंस के शेयर में 4% की तेजी रही।गार्डन रीच शिपबिल्डर्स (ॠफरए) ने ऋ25 में 48% की उछाल के साथ 527 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। चौथी तिमाही में लाभ 118% बढ़कर 244 करोड़ रुपए रहा। इसके चलते शेयर में पिछले एक साल में 125% रिटर्न दिया है।

बड़े ऑर्डर्स के कारण डिफेंस शेयर में तेजी डिफेंस सेक्टर में तेजी की मुख्य वजह ऋ27 तक 8.45 लाख करोड़ रुपए के ऑर्डर मिलने की संभावना है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (ऊअउ) ने हाल ही में ळ-90 टैंक इंजन, वरुणास्त्र टॉरपीडो समेत 54,000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। एंटिक स्टॉक ब्रोकिंग के अनुसार, सरकार के 'मेक इन इंडिया' पुश और घरेलू उत्पादों पर जोर देने की नीतियों से शिपयार्ड कंपनियों को लंबे समय तक फायदा मिलेगा। वर्तमान में देश का 65% रक्षा उपकरण स्थानीय स्तर पर बन रहा है। 4 साल में चार गुना निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य सरकार ने ऋ25 में डिफेंस सेक्टर में 1.69 लाख करोड़ रुपए के ऑर्डर घरेलू कंपनियों को दिए हैं। ऋ25 में रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। इसमें पिछले दस साल में 34 गुना बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपए के रक्षा उत्पादन और निर्यात का लक्ष्य रखा है।

# सोना 485 गिरकर 93,859 पर आया:चांदी की कीमत भी 420 घटी, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

**नई दिल्ली।** सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 14 मई को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 485 गिरकर 93,859 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,344 थी।वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 420 कम होकर 96,400 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,820 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,210 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,060 रुपए है। कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 88,050 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 96,060 रुपए है। चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,060 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 96,110 रुपए है।

इस साल अब तक 17,697 रुपए महंगा हो चुका है सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 17,697 रुपए बढ़कर 93,859 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 10,383 रुपए बढ़कर 96,400 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

### सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इकर) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ऌवकऊ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

गुज्जर जनजाति से संबंधित कश्मीरी खानाबदोश पुरुष श्रीनगर के बाहरी इलाके में घूमते हैं।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 15 मई, 2025
www.adityabharat.com



### जबलपुर के बरगी हिल्स में 27 करोड़ 84 लाख की लागत वाले सांदीपनि विद्यालय का भूमि-पूजन

# प्रायवेट को पीछे छोड़ेंगे सरकारी स्कूल : मुख्यमंत्री यादव

**● सांदीपनि मुनि, गुरु परंपरा के आदर्श उदाहरण**

**संवाददाता ● भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सांदीपनी विद्यालय प्रदेश में शिक्षा के आदर्श केंद्र बनकर उभर रहे हैं। इनसे शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। भगवान गोपाल कृष्ण की शिक्षा उज्जैन के सांदीपनी गुरुकुल में हुई थी। सांदीपनि मुनि गुरु परंपरा के आदर्श उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने बेटे की परवाह किए बगैर भगवान श्रीकृष्ण सहित अनेकों विद्यार्थियों को शिक्षा-दीक्षा दीं। तत्कालीन समय में सांदिपनि के पुत्र को यम जाति के आक्रांताओं ने बंदी बना रखा था और बाद में श्रीकृष्ण ने गुरु भाई को छुड़ाकर सांदीपनि मुनि को लौटाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पहली बार शासकीय स्कूलों (सांदीपनी विद्यालय) में प्रायवेट की तर्ज पर खेल-कूद और सांस्कृतिक

**लागत**

गतिविधियां संचालित होंगी। सरकारी स्कूल भी प्रायवेट को पीछे छोड़ेंगे। इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं की मेरिट में आए 70 प्रतिशत बच्चे सरकारी स्कूलों से पढ़ाई करने वाले रहे हैं। राज्य सरकार सभी विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा के लिए सभी सुविधाएं दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को जबलपुर के बरगी हिल्स में सांदीपनी विद्यालय के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। सांदीपनी विद्यालय का निर्माण 27 करोड़ 84 लाख की लागत से 11 एकड़ क्षेत्र में किया जाएगा। सर्व सुविधायुक्त विद्यालय में 1960 विद्यार्थी एक साथ शिक्षा ग्रहण करेंगे। समारोह में सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक श्री अभिलाष पांडे, विधायक श्री अशोक रोहाणी, विधायक श्री संतोष बरकड़े और श्री रत्नेश सोनकर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे।

## सांस्कृतिक मूल्यों के केन्द्र बनेंगे सांदीपनि विद्यालय: मंत्री श्री सिंह

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में नवाचारों का क्रम जारी है। प्रदेश में नई औद्योगिक क्रांति की शुरुआत हो चुकी है। प्रदेश का सांस्कृतिक वैभव आज देश-दुनिया में पहचाना जा रहा है। जबलपुर में सांदीपनि विद्यालय का भूमि-पूजन कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनुपम सौगात दी है। देश में कौन-सा ऐसा मुख्यमंत्री होगा, जिसने स्कूल के नाम से सीएम शब्द हटाकर उज्जैन के सांदीपनि मुनि का नाम जोड़ दिया। इन स्कूलों में सांदीपनी गुरुकुल की तरह शिक्षा के साथ भावी पीढ़ी को सांस्कृतिक मूल्य दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नई शिक्षा नीति के माध्यम से देश को बताया है कि शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों की शिक्षा देना भी आवश्यक है। माँ नर्मदा के तटों का विकास अयोध्या के सरयू के तटों की तर्ज पर होगा। यह प्रदेश में एक रोल मॉडल बनकर उभरेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व से मध्यप्रदेश देश भर में अपनी अलग पहचान बनाएगा।

**जबलपुर दुनिया की सबसे आकर्षक नगरी** – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर दुनिया की सबसे आकर्षक नगरी है। संस्कारधानी के भेड़ाघाट से मां नर्मदा की अविरल धारा निकली है, जो विश्व में प्रसिद्ध है। राज्य सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक रानी दुर्गावती के शहर जबलपुर में की थी। रानी दुर्गावती ने औरंगजेब के सामने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया था। उनकी वीरता को नमन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कारधानी का जुड़ाव नेताजी सुभाष चंद्र बोस से भी रहा है। उन्होंने आजाद हिंद फौज का निर्माण कर ब्रिटिश सरकार से लोहा लिया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने असंभव कार्यों को पूर्ण कर इतिहास लिखा है। भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को धूल चटाई है। देश के दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में तीन तलाक और जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

## शॉट न्यूज

### शादी के रिसेप्शन में पुरानी रंजिश पर हमला

**भोपाल।** कटारा हिल्स इलाके में शादी के जश्न के बीच हुई हिंसा के मामले में नागपुर से अपने दामाद के भतीजे की शादी में शामिल होने आई महिला की मारपीट में घायल होने के चार दिन बाद मौत हो गई। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मुख्य आरोपी दो भाइयों समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, यह विवाद 8 मई को बारात के दौरान शुरू हुआ था। बताया जा रहा है कि मोहल्ले के कुछ लड़के बारात के दौरान सिगरेट पीते हुए शोर मचा रहे थे। जब बारातियों ने उन्हें शांत रहने को कहा तो बात बिगड़ गई और झगड़ा हो गया। हालांकि, उसी दिन दोनों पक्षों के बीच राजीनामा हो गया था। 9 मई की रात करीब 11 बजे रिसेप्शन चल रहा था, तभी मोहल्ले में रहने वाले नागेंद्र विश्वकर्मा और उसका भाई धनराज विश्वकर्मा वहां पहुंचे। एक दिन पुराने विवाद को लेकर उन्होंने गाली-गलौज शुरू की और मेहमानों पर पत्थर फेंकने लगे।

### हाईवे पर बाइक फिसली ट्रक ने पति को कुचल

**सीहोर।** भोपाल-इंदौर हाईवे स्थित दरबार ढाबे के समीप बाइक सवार पति-पत्नी बीच सड़क पर फिसलकर नीचे गिर गए। पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने पति को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उसकी पत्नी बाल-बाल बच गई। इसी स्थान पर थोड़े अंतराल में तीन अन्य बाइक सवार भी फिसलन के कारण घायल हो गए। इनमें से एक को भोपाल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसों का कारण ढाबे के सामने सड़क पर फैली गीली मिट्टी बताई जा रही है, जो ट्रकों के टायरों से सड़क पर आ गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर सभी मामलों की जांच प्रारंभ कर दी है। जानकारी के अनुसार, विदिशा निवासी श्रीपाल सीहोर की एक नूडल्स फैक्ट्री में काम करते थे। बीती शाम वे अपनी पत्नी बबीता के साथ दोपहिया वाहन से सीहोर आ रहे थे। हाईवे स्थित दरबार ढाबे के समीप अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई।

### बारात में दूल्हे की जगह घोड़ी पर दुल्हन सवार

**बुरहानपुर।** इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। अलग-अलग समाज के शादियों के बारात सड़कों से गुजर रहे हैं। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर शहर में मंगलवार शाम शहर की सड़क से एक अनूठी बारात गुजरी, जिसको देखकर लोग हैरान रह गए। दरअसल, बारात के इस बाने में डीजे, लाईटिंग, गीत-संगीत अन्य बारात के जैसा ही था, लेकिन घोड़ी पर दूल्हे की जगह दुल्हन सवार थी। सूरत निवासी दुल्हन नेहा का विवाह बुरहानपुर निवासी पियूष से हो रहा है। घोड़ी पर सवार दुल्हन नेहा झांसी की रानी की तरह सवार थी। दुल्हन का कहना है कि उनके पिता की तमन्ना थी कि उनकी शादी में वह झांसी की रानी की तरह घोड़े पर सवार होकर अपने जीवन साथी के यहां शादी का निमंत्रण देने जाए। दरअसल, गुजराती मोढ वणिक समाज की यह 300 साल पुरानी परंपरा है, समाज के धन्नालाल दलाल ने बताया कि गुजराती मोढ वणिक समाज की यह परंपरा रही है।

# कटारे बोले-भूपेन्द्र सिंह एमपी के सबसे डरे हुए नेता

### भतीजे के अवैध क्रेशर पर हादसे में अब तक कार्रवाई नहीं

**संवाददाता ● भोपाल**

अटेर से कांग्रेस विधायक और मप्र विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने खुरई विधायक और पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह को मप्र का सबसे डरा हुआ नेता बताया है। भोपाल में अपने आवास पर सागर जिले के बारदा निवासी मानस शुक्ला और कांग्रेस नेता अंशुल परिहार के साथ उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

**कार्रवाई**

हेमंत कटारे ने कहा कि भूपेन्द्र सिंह के भतीजे लखन सिंह के क्रेशर पर हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से 12 साल के बच्चे का हाथ कट गया था। पांच महीने में नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन ने चार लेटर लिखकर भूपेन्द्र सिंह और लखन सिंह पर कार्रवाई के लिए निर्देश दिए। लेकिन पुलिस और प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

हेमंत कटारे ने कहा- 12 साल के मानस शुक्ला का हाथ कट गया। भूपेन्द्र सिंह और उनके परिवार ने उसकी सुध नहीं ली। पुलिस और प्रशासन ने जब उसकी नहीं सुनी तो खुरई के कांग्रेस नेता अंशुल परिहार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मानस की मदद करने की मांग की। भूपेन्द्र सिंह ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस से नाराज होकर मदद

में प्रेसवार्ता करने वाले अंशुल परिहार और उनके बुजुर्ग पिता पर एफआईआर दर्ज करा दी।

**5 महीने में हमारे परिवार से नहीं मिले भूपेन्द्र सिंह** – मानस ने कहा- हमारे पापा हर महीने उनके घर गए। पापा को तीन-चार घंटे बिठाकर रखा और कह दिया कि भूपेन्द्र भैया कहीं गए हैं। हमें पूरी तरह गुमराह किया। 5-6 महीने में हमसे और हमारे परिवार से नहीं मिले। उन्होंने हमें एक बार फोन करके हाल तक नहीं पूछा। शायद वो सोचते हैं कि ये एक गरीब परिवार हमारा क्या कर लेगा। उन्होंने दबाव डाला, हमारे पापा की बीना में रिपोर्ट नहीं लिखी गई। वो पावर में होकर हमारे ऊपर राजीनामा करने का दबाव डाल रहे हैं।

## सिंगरौली में नहर के बाद अब हुई नाली की 'चोरी'...

**सिंगरौली।** एमपी अजब है सबसे गजब है। ये पंच लाइन आपने कई बार सुनी होगी, लेकिन बीते कुछ दिनों में ऐसे कुछ मामले प्रदेश में सामने आए हैं जो अजब-गजब हैं और इस पंच लाइन पर बिल्कुल सटीक बैठते हैं। दरअसल, मध्यप्रदेश की ऊर्जाधानी सिंगरौली में बीते दिनों नहर चोरी होने का मामला सामने आया था और अब उसी सिंगरौली जिले में नाली चोरी होने की शिकायत ईओडब्ल्यू तक पहुंची है। नाली चोरी होने की शिकायत नगर निगम आयुक्त ने ईओडब्ल्यू के एसपी से की है, मामला सामने आने के बाद अब हर कोई इस अजब-गजब की चोरी की चर्चा कर रहा है। दरअसल, सिंगरौली जिले के नगर निगम के वार्ड नंबर 36 जयनगर में एक नाली का निर्माण कागजों तक सीमित रहा, जबकि इसके एवज में नगर निगम ने ठेकेदार को पूरे 18 लाख 72 हजार राशि का भुगतान कर दिया। इस कागजी नाली की अनुमानित लागत करीब 16 लाख 35 हजार रुपये थी, इस धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ, जब स्थानीय लोगों को पता चला कि उनके घर के सामने एक नाली स्वीकृत हुई है। दरअसल, उस स्थान पर कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ था। स्वीकृत योजना के अनुसार, 400 मीटर लंबी नाली केवल दस्तावेजों में ही अस्तित्व में रही। इस धोखाधड़ी की नींव 4 अगस्त 2023 को रखी गई, जब नाली निर्माण के लिए निविदा आमंत्रित की गई। महाकाल ब्रदर्स जयनगर नामक एक कंपनी को यह ठेका सौंपा गया। इसके बाद, एक कनिष्ठ अभियंता ने कथित कार्य का मूल्यांकन माप पुस्तिका में दर्ज कर दिया। निगम के कर्मचारियों ने तो उस स्थान की तस्वीरें भी खिंचवाईं, जहां नाली 'बननी' थी। इस पूरी 'दस्तावेजी' प्रक्रिया के बाद, 4 मार्च 2024 को ठेकेदार को पूरी भुगतान राशि जारी कर दी गई।

**ढूंढता रह गया प्रशासन**

### मध्य प्रदेश के खंडवा में फिर वारदात

# वन विभाग की टीम लाठी-डंडों से हमला

### जंगल को खेत बना रहे थे आरोपी

**संवाददाता ● खंडवा**

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में एक बार फिर वन अतिक्रमणकारियों ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अमले पर हमला कर दिया। ये लोग वन विभाग की टीम से ट्रैक्टर छुड़ा कर ले गए। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वारदात में अमले के लोग भी घायल हुए हैं।

फिलहाल, इस मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है, जिसके बाद पुलिस में शिकायत कर मामला दर्ज करवाया जाएगा। बता दें कि ये पूरी घटना खंडवा जिले के गुड़ी फारेस्ट रेंज के नागौतर की है। कुछ दिन पहले अतिक्रमणकारियों द्वारा अवैध तरीके से ट्रैक्टर चला कर वन भूमि को खेती के लिए तैयार किया जा रहा था। जैसे ही इसकी सूचना वन विभाग को मिली तो विभाग की टीम कार्रवाई करने अमखुजरी के जंगल मे पहुंची लेकिन टीम के आने से पहले ही अतिक्रमणकारी ट्रैक्टर लेकर फरार हो गए। मुखबिर की सूचना पर वही ट्रैक्टर जब्त करने वन विभाग की टीम खंडवा के रायपुर ग्राम पहुंची। जब ट्रैक्टर जब्त कर टीम गांव से निकली तो अगले ही गांव में उनपर लोगों ने पथराव कर लाठी डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में महिलाएं भी शामिल थीं। मामला बढ़ता देख वन विभाग की टीम ट्रैक्टर छोड़ अपनी जान बचा कर किसी तरह वहां से भाग निकली, लेकिन इस घटना का वीडियो किसी वनकर्मी ने बना कर वायरल कर दिया।

## अचानक से कर दिया पथराव

दरअसल, खंडवा के गुड़ी रेंज के आमा खुजरी में अतिक्रमणकारी ट्रैक्टर चलाकर वन भूमि को खेती के लिए तैयार कर रहे थे। इसकी सूचना वन अमले को लगी तो टीम जंगल पहुंची। तब तक अतिक्रमणकारी ट्रैक्टर लेकर फरार हो चुके थे। इसके बाद गुड़ी वन परिक्षेत्र अधिकारी नरेंद्र पटेल को मुखबिर से सूचना मिली कि अतिक्रमणकारियों ने ट्रैक्टर को खंडवा के रायपुर ग्राम में छुपाकर रखा है। गुड़ी रेंज के रेंजर नरेंद्र पटेल ने बताया कि हमलावर पहले से ताक में बैठे थे। जैसे ही हम ट्रैक्टर जब्त कर नागौतर पहुंचे वहां पथराव और लाठी डंडों से हमारी टीम पर हमला बोल दिया गया। फिलहाल, घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को भेज कर थाने में शिकायत की गई।

# एमपी में राजधानी समेत 25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

**संवाददाता ● भोपाल**

मध्यप्रदेश में मानसून की एंट्री 15 जून तक हो सकती है। इससे पहले प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहेगा। बुधवार को भोपाल समेत 25 जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट है। इंदौर, उज्जैन-नर्मदापुरम संभाग में भी मौसम बदला रहेगा, जबकि जबलपुर-ग्वालियर में गर्मी रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को जिन जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है, उनमें भोपाल, मुरैना, भिंड, नीमच, मंदसौर अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खरगोन, खंडवा, हरदा, देवास, सीहोर, शाजापुर, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, सिस्टम के एक्टिव होने से मौसम बदला हुआ है। 17 मई तक कई जिलों में तेज आंधी चलने और बारिश की संभावना है।

**अलर्ट**

### भोपाल में तेज आंधी के साथ बारिश

इससे पहले मंगलवार को प्रदेश में आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल में दोपहर में तेज बारिश हुई। करीब आधे घंटे में पूरा शहर तरबतर हो गया। हवा की रफ्तार तेज होने से बड़े तालाब में एक से डेढ़ फीट ऊंची लहरें उठीं। धार, रतलाम में भी बारिश हुई। वहीं, बालाघाट के मलाजखंड में सवा इंच से ज्यादा पानी गिर गया। बारिश-आंधी के बीच कई शहरों में गर्मी का असर भी देखने को मिला। सबसे गर्म खजुराहो रहा। जहां तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। नौगांव में 42 डिग्री, सतना में 41.8 डिग्री, रीवा में 41.2 डिग्री, उमरिया में 41.1 डिग्री, टीकमगढ़ में 41 डिग्री, सीधी में 40.8 डिग्री, नरसिंहपुर में 40.4 डिग्री, गुना में 40.2 डिग्री और मंडला में पारा 40 डिग्री सेल्सियस रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.2 डिग्री, इंदौर में 36.3 डिग्री, ग्वालियर में 41.4 डिग्री, उज्जैन में 38.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा।

### हाथी मित्र दल के गठन की मंजूरी, मंत्रि-परिषद की बैठक में निर्णय

# जंगली हाथियों के प्रबंधन को 47 करोड़ की योजना : सीएम

**संवाददाता ● भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में मानव-हाथी द्वंद्व को कम करने और जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 और वर्ष 2026-27 अर्थात आगामी 2 वर्षों सहित कुल 4 वर्षों (वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक) के लिए राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये की योजना क्रमांक 9854 की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी है। योजना अंतर्गत हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं वर्ष 2024-25 में कुल राशि रूपये एक करोड़ 52 लाख 54 हजार रुपये व्यय की गयी है। निर्णय अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना में राशि 20 करोड़ रूपये और वर्ष 2026-27 में 25 करोड़ 59 लाख 15 हजार रूपये का प्रावधान किया गया। इस तरह आगामी 2 वर्षों सहित

**निर्णय**

कुल 4 वर्षों (वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक) के लिए योजना का आकार राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के ऐसे संरक्षित क्षेत्र जहाँ हाथियों का आवागमन या उपस्थिति है उनमें एवं संरक्षित क्षेत्रों के बाहर जंगली हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण, रहवास प्रबंधन तथा विकास के लिए योजना बनाई गयी है। जंगली हाथियों की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम, वन्यजीव मानव द्वंद को रोकने के लिए विभिन्न संरचनाएं बनाई जाएंगी। ई-आई सर्विलेंस की स्थापना और संचालन किया जाएगा। वन्य-प्राणियों के रेस्क्यू और पुनर्वास के लिए कार्य किया जाएगा।

## कर्मचारियों को देंगे प्रशिक्षण

योजना अंतर्गत प्रभावित क्षेत्रों में मानव-हाथी द्वंद से निपटने के लिए ग्रामीणों, वन विभाग और अन्य विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। विभिन्न प्रकार की फेसिंग कार्य किया जाएगा, जिसमें सोलर फेंसिंग भी शामिल है। मानव-हाथी द्वंद के लिए रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया जाएगा और आवश्यक उपकरण क्रय किए जाएंगे। निगरानी और ट्रेकिंग कार्य के लिए पेट्रोलिंग वाहन और रेडियो कॉलर क्रय किए जाएंगे।

# कौन हैं ग्राम चिकित्सालय की भोली-भाली 'डॉ. गार्गी'

## रियल लाइफ का हॉट अवतार कर देगा सरप्राइज

ओटीटी प्लेटफॉर्म एक ऐसा माध्यम है, जहां से सेलेब्स को रातोंरात शोहरत मिल जाती हैं। इस कड़ी में नया नाम बी टाउन एक्ट्रेस अकांशा रंजन कपूर का नाम शामिल हो रहा है, जिन्होंने हालिया रिलीज वेब सीरीज ग्राम चिकित्सालय से फैंस का दिल जीत लिया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो की इस सीरीज में सीधी-साधी महिला डॉ. गार्गी की भूमिका निभाने वालीं अकांशा रियल लाइफ में हद से ज्यादा हॉट हैं। उनकी लेटेस्ट तस्वीरों के जरिए आप इस बात अंदाजा आसानी से लगा सकते हैं। आइए एक नजर अभिनेत्री की हॉटनेस से भरी फोटोज पर डालते हैं।

**बेहद हॉट हैं ग्राम चिकित्सालय की डॉ गार्गी** – लेटेस्ट वेब सीरीज या फिल्में फैंस को नए किरदार के बारे में जानने की काफी रुचि रहती है। इस मामले में अब हम आपको जानने की एक्ट्रेस अकांशा रंजन के बारे में बताने जा रहे हैं। 18 सितंबर 1993 में अकांशा का जन्म हुआ। इनके पिता शशि रंजन एक फिल्ममेकर रहे हैं, जबकि बड़ी बहन अनुष्का रंजन सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस रही हैं। कियारा आडवाणी की ओटीटी फिल्म गिल्टी से अकांशा रंजन ने अपनी खास पहचान बनाई और अब वेब सीरीज ग्राम चिकित्सालय के जरिए वह फैंस की फेवरेट बन गई है। इस सीरीज में भोली-भाली डॉ गार्गी की भूमिका निभाने वालीं अकांशा रियल लाइफ में किसी अप्सरा से कम नहीं लगती हैं। फैंस भी उनके इस अदांज पर खुल प्यार लुटाते हैं।

अकांशा ने फिल्म गिल्टी से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया और इसके बाद समय-समय पर वह अपनी अदाकारी की जलवा बिखरेती हुई नजर आई हैं। एक एक्ट्रेस होने के अलावा अकांशा रंजन बॉलीवुड की सुपरस्टार आलिया भट्ट की जिगरी दोस्त हैं। समय-समय पर आलिया इनके साथ सोशल मीडिया पर शानदार तस्वीरों को शेयर करते रहती हैं और अपनी दोस्ती की मिसाल कायम करती रहती है। इतना ही नहीं अकांशा भी आलिया के साथ बिताए खास लम्हों को फोटो और वीडियो के जरिए सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं।

# गोविंदा को काम नहीं मिलने पर परेशान पत्नी सुनीता, पूछा- 'घर पर क्यों बैठे हो

गोविंदा बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर रहे हैं। एक वक्त था जब एक के बाद एक उनकी फिल्में आती थीं। उनकी फिल्मों की लोग खूब तारीफ करते थे। 1990 के दशक में गोविंदा काफी एक्टिव थे। लेकिन आज गोविंदा को काम नहीं मिल रहा है। इस पर उनके परिवार के लोग खास कर उनकी पत्नी सुनिता आहूजा परेशान हैं। उनके बच्चे टीना और यशवर्धन उन्हें स्क्रीन पर देखना चाहते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में सुनीता ने बताया कि गोविंदा का परिवार उन्हें दोबारा स्क्रीन पर देखना चाहता है। जूम से बातचीत में सुनीता ने कहा 'मैं हमेशा गोविंदा से कहती हूं कि आप एक लीजेंड स्टार हो, आप 90 के राजा थे। आज की जेनेरेशन भी आपके गानों पर डांस करती है। फिर आप घर पर क्यों बैठे हो? आपकी उम्र के बाकी एक्टर अनिल कपूर, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सब काम कर रहे हैं। आप क्यों नहीं करते?' सुनीता ने आगे कहा 'मैं और मेरे बच्चे उन्हें स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। आप जिस कंपनी और दोस्तों के साथ घूम रहे हैं, वे आपके लिए अच्छा नहीं कह रहे हैं, बस हां में हां मिलाते हैं। उनका इरादा आपके लिए अच्छा नहीं है। मैं उसके इन तथाकथित दोस्तों से कहना चाहती हूं- गोविंदा आपकी आर्थिक मदद भी करते हैं, आप उन्हें सही रास्ता क्यों नहीं दिखाते? मैं उनसे कहती हूं अच्छे लोगों के साथ उठो बैठो। हमें दुख होता है कि इतना बड़ा कलाकार घर पर बैठा है।' सुनीता ने कहा 'मैं कुछ साल पहले गोविंदा का काम मैनेज करती थी। मैंने उन्हें ओटीटी मीडियम में काम करने का सुझाव दिया। अच्छा सब्जेक्ट था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। मैंने उनसे कहा कि 4-5 साल बाद लोग सिर्फ ओटीटी देखेंगे। लेकिन उन्होंने कहा कि वह सिर्फ बड़े पर्दे की फिल्में करना चाहते हैं।

# अर्जुन कपूर ने 26 वर्षीय अर्जुन के लिए लिखा भावुक खत

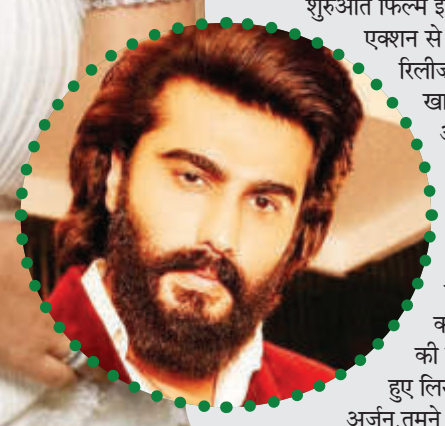

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर अपने 26 साल के अर्जुन को एक दिल से लिखा गया खत साझा किया है। अर्जुन कपूर ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत फिल्म इश्कज़ादे से की थी। प्यार और एक्शन से भरपूर इस फिल्म को हाल ही में रिलीज़ हुए 13 साल पूरे हो गए। इस खास मौके को सेलिब्रेट करते हुए अर्जुन ने सोशल मीडिया पर अपने 26 साल के अर्जुन को एक दिल से लिखा गया खत साझा किया और 'अर्जुन 2.0' की झलक भी दी। अर्जुन कपूर ने अपनी जवानी की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा,प्रिय 26 वर्षीय अर्जुन,तुमने कर दिखाया। तुम उस सपने की दहलीज़ पर खड़े हो जो कभी नामुमकिन लगता था। मुझे पता है कितनी रातें तुमने जाग कर फिल्में देखीं, यह विश्वास करते हुए कि सिनेमा ही तुम्हारा सहारा, तुम्हारा मकसद बनेगा।तुमने खुद को सिर्फ शारीरिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक रूप से भी बदला। वो घंटे, वो अनुशासन, वो झटके... सब कुछ इसके लिए जरूरी था।हमेशा विनम्र रहो।

# 4 लाख का तोता लेकर उर्वशी पहुंचीं कान फिल्म फेस्टिवल

दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म फेस्टिवल यानि कान फिल्म फेस्टिवल शुरू हो गया है और इसमें भारतीय सेलेब्स का पहुंचना भी शुरू हो गया है। पिछले कुछ समय से नियमित रूप से शामिल होने वाली एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला मंगलवार को फिल्म पार्टिर अन जौर (लीव वन डे) के उद्घाटन समारोह और स्क्रीनिंग के लिए रेड कार्पेट पर उतरीं। रेड कार्पेट से उर्वशी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। एक्ट्रेस ने रेड कार्पेट पर वॉक करने के लिए नीले, लाल और पीले रंग के स्ट्रैपलेस स्ट्रक्चर्ड आउटफिट को चुना। उन्होंने अपने लुक को मैचिंग टियारा क साथ पूरा किया। लेकिन सभी की निगाहें उनके कैरी किए गए पैरट क्रिस्टल-एम्बेडेड क्लच पर टिकी थीं। एक तस्वीर में तो वह पक्षी के आकार का बैग पकड़े हुए और उसे चूमते हुए पोज देती हुई भी दिखाई दे रही हैं। इंस्टाग्राम पेज, डाइट सब्या, का दावा है कि क्लच जूडिथ लीबर ने बनाया है, बैग की कीमत $5,495 यानि लगभग 4,68,064.10 है। 2024 में उर्वशी ने जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी में काम किया। इस साल 2025 में डाकू महाराज के उनके गाने दाबिडी दिबिडी को लेकर वो खूब खबरों में आईं। उनके इस गाने को लेकर खूब ट्रोल किया गया था।

**पहले दिन ही इंप्रेस करने में हुई फेल!**

# हरियाणवी सिंगर का इंस्टाग्राम अकाउंट बैन

हरियाणा गायक मासूम शर्मा ने के गानों के बाद अब उनका इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया है। मासूम शर्मा फैन पेज के नाम से बनाए इस इंस्टा अकाउंट पर साढ़े 7 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। इंस्टाग्राम अकाउंट बंद होते ही मासूम शर्मा का गुस्सा फूट पड़ा। मासूम शर्मा ने कहा कि यह घटिया हरकत है। सरकार में उच्च पद पर बैठा बंदा ओछी हरकतें करने से बाज नहीं आ रहा है। मासूम शर्मा ने यह भी कहा कि उनके यूपी के मेरठ और मध्यप्रदेश के ग्वालियर में भी कॉन्सर्ट बैन करा दिए गए हैं। कुछ समय पहले सरकार ने हिंसा और गन कल्चर को बढ़ावा देने वाले गाने कहकर मासूम शर्मा के 10 गानों को बैन कर दिया था। मासूम शर्मा ने इंस्टाग्राम अकाउंट बंद होने पर स्क्रीनशॉट शेयर किया। मासूम शर्मा ने लिखा "राम राम दोस्तों, पहले मेरे गाने बैन, फिर मेरठ और ग्वालियर के कॉन्सर्ट बैन और अब मेरे इंस्टाग्राम पेज को सरकार ने बैन कर दिया है। हो सकता है जिस अकाउंट से मैं पोस्ट कर रहा हूं ये भी सुबह तक ना मिले। मेरे साथ गलत हो रहा है। आप मेरी ताकत हो, आप मेरे साथ यूं ही खड़े रहना।

# आलिया की अमीर BFF आकांक्षा रंजन कपूर नहीं करतीं पैसों की बर्बादी

गिल्टी और मोनिका ओ माय डार्लिंग फिल्मों की अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर समृद्ध परिवार से हैं। उसके बावजूद वह दीपावली पार्टी पर ज्यादा खर्च करने के बजाय दोस्तों संग कपड़े शेयर करने को एक अच्छा तरीका मानती हैं। पिछले दिनों फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में शामिल हुई आकांक्षा कहती हैं कि मैं फैशन कॉन्शस नहीं हूं। हालांकि इस इंडस्ट्री में लुक को लेकर सजग रहना पड़ता है। मेरे लिए सबसे अच्छी दीपावली पार्टी वो है, जिसमें आरामदायक कपड़े पहनकर शामिल हो सकूं। आकांक्षा ने कहा, 'मुझे कपड़े रिपीट करने में भी दिक्कत नहीं होती। शेयरिंग फिजूलखर्जी से बचने का अच्छा तरीका है। मैं दोस्तों संग आउटफिट शेयर करती हूं। इससे आपके बीच रिश्ता भी मजबूत होता है। इस बार एक दिवाली पार्टी में अपनी बेस्ट फ्रेंड की पुरानी साड़ी पहनूंगी।' इस बार दिवाली पर आकांक्षा रंजन कपूर वेब सीरीज की शूटिंग कर रही होंगी। वह कहती हैं कि भले ही दीपावली पर मैं घर पर नहीं रहूंगी, लेकिन हमारा बचपन से सेट रूटीन है, सुबह मम्मी-पापा जल्दी उठा देते हैं, ऑफिस जाकर पूजा करनी होती है। फिर घर आकर रंगोली बनाना, दीये जलाना, खाना-पीना करना उसके बाद पार्टी के लिए निकल जाते हैं। आकांक्षा ने कहा, 'त्योहार की ज्यादातर जिम्मेदारी मेरी दीदी अनुष्का रंजन (अभिनेत्री) पर होती है। मैं बस उनकी बनाई रंगोली के साथ तस्वीरें खींचती हूं और शुगर फ्री लड्डू के मजे लेती हूं। भले ही त्योहार पर हर बार नए कपड़ों की खरीदारी नहीं करती हूं, लेकिन धन का सही जगह निवेश करने को लेकर शुरू से सजग रही हूं। हमारी परवरिश ही इस तरह हुई है कि बर्बाद नहीं करती। मेरे लिए स्वस्थ शरीर और दिमाग की बहुत अहमियत है। पैसे तो कमा ही लेंगे।'

**दोस्तों से कपड़े मांगकर करती हैं पार्टी**

# रेड 2 के 100 करोड़ क्लब में एंट्री मारने के बाद ये क्या बोल गईं वाणी कपूर?

ब्लॉकबस्टर फिल्म 'रेड' का बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'रेड 2' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। यह बड़ी उपलब्धि फिल्म की दमदार कहानी और इसके देशभर में दर्शकों पर पड़े प्रभाव को दर्शाती है। राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन, वाणी कपूर और रितेश देशमुख जैसे शानदार कलाकार नजर आ रहे हैं। अजय देवगन के साथ मुख्य भूमिका निभा रहीं वाणी कपूर ने दर्शकों से मिले जबरदस्त प्यार और फिल्म की सफलता पर खुशी और कृतज्ञता जताई। वाणी कपूर ने कहा, 'मैं दिल से आभारी हूं कि 'रेड 2' ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है और इसे एक ब्लॉकबस्टर के रूप में सराहा जा रहा है। इस तरह की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है। मेरे अभिनय को जो सराहना मिल रही है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा अलग-अलग शैलियों में काम करने और हर प्रोजेक्ट से सीखने की कोशिश करती हूं। दर्शकों से मिला यह प्यार और प्रतिक्रिया बेहद उत्साहवर्धक और संतोषजनक है। 'रेड 2' की पूरी टीम को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। हमें देशभर से जो प्यार और समर्थन मिल रहा है, वह वाकई बहुत खास है।' इस बड़ी उपलब्धि के साथ, 'रेड 2' अपनी सफलता की रफ्तार बनाए हुए है और वर्ष की प्रमुख हिट फिल्मों में अपनी जगह मजबूत कर चुका है।

# शाहरुख खान ने देखी थी कार्तिक की भूल भुलैया 2

कार्तिक आर्यन इंडस्ट्री के टॉप एक्टर्स की लिस्ट में शुमार हो गए हैं। उनकी फिल्में करोड़ों में कमाती हैं। भूल भुलैया 2 बहुत बड़ी हिट हुई थी। फिल्म को बहुत तारीफ मिली थी। कई एक्टर्स ने इसकी तारीफ की थी। कंगना रनौत ने लोगों को थिएटर तक लाने के लिए कार्तिक की तारीफ की थी। ये 2022 की हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों में से एक थी।

अब कार्तिक ने बताया कि शाहरुख खान ने भी उनकी तारीफ की थी। फिल्मफेयर से बातचीत में कार्तिक ने कहा, 'शाहरुख खान बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं जब भी उनसे मिलता हूं वो हमेशा मेरी फिल्मों के बारे में बात करते हैं कि उन्होंने देखी। भूल भुलैया 2 की रिलीज के बाद जब हम मिले एक इवेंट में तो उन्होंने पर्सनली मुझे बुलाया और फिल्म की तारीफ की। उन्होंने बताया कि फिल्म देखते हुए उन्होंने कितना एंजॉय किया। जिस तरह से शाहरुख ने मेरे काम की तारीफ की वो उनके दयालु नेचर को दिखाता है।' जब कार्तिक से पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने किसी कलीग की तारीफ की तो इस पर कार्तिक ने कहा कि वो मैसेज करने के मामले में थोड़े से शर्मिले हैं। कार्तिक ने कहा, 'मैं करता हूं लेकिन मैं थोड़ा सा शर्मिला हूं जब किसी को मैसेज करने की बात आती है तो। खासतौर पर जब मेरा उनसे पर्सनल कनेक्शन नहीं है। लेकिन जब मैं मिलता हूं तो मैं हमेशा करता हूं।' कार्तिक के वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक ने चंदू चैम्पियन, शहजादा, धमाका, लव आज कल, पति पत्नी और वो, लुका छुपी, सोनू के टीटू की स्वीटी, प्यार का पंचनामा 2 जैसी फिल्मे की हैं। अब वो नागजिला, तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी और अनुराग बसु की अनटाइटल्ड फिल्म में दिखेंगे।

# 26 मई से पहले स्वदेश लौट जाएंगे दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी

एजेंसी ● नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला जाना है और इस कारण इन दोनों देशों के खिलाड़ियों के आईपीएल 2025 के शेष मैचों में खेलने पर संशय चल रहा है। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कोनराड ने भी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर बयान दिया है और उनका कहना है कि आईपीएल में हिस्सा ले रहे राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी 26 मई तक स्वदेश लौट आएं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित किया था।

बोर्ड ने हाल ही में इसका संशोधित कार्यक्रम जारी किया जिसके अनुसार टूर्नामेंट 17 मई से शुरू होगा और इसका फाइनल तीन जून को खेला जाएगा। हालांकि, टूर्नामेंट आगे बढ़ने से टीमों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं पूरी करने में दिक्कतें आ रही है। सबसे ज्यादा चिंता की बात ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के लिए है। कोनराड ने आईपीएल का सत्र बढ़ने पर कहा, 'आईपीएल और बीसीसीआई के साथ शुरूआती समझौता यह था कि खिलाड़ी 25 मई को होने वाले फाइनल के बाद 26 मई को वापस लौटेंगे। हमारे दृष्टिकोण से कुछ भी नहीं बदला है, यही बातचीत चल रही है। जैसा कि अभी है, हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी 26 तारीख तक वापस आ जाएं।' क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम घोषित कर दी है और माना जा रहा है कि सभी खिलाड़ियों को 31 मई तक इंग्लैंड पहुंचना है। आईपीएल में नहीं खेल रहे खिलाड़ी 30 मई तक पहुंचेंगे, जबकि आईपीएल में खेलने वाले खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी का साथ प्लेऑफ से पहले छोड़ना होगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम में शामिल कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो आईपीएल में खेल रहे हैं। इनमें से सात खिलाड़ियों की टीम प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है, इनमें कॉर्बिन बॉश और रियान रिक्लेटन (मुंबई इंडियंस), कगिसो रबाडा (गुजरात टाइटंस), ट्रिस्टन स्टब्स (दिल्ली कैपिटल्स), एडेन मार्करम (लखनऊ सुपर जाएंट्स), मार्को यानसेन (पंजाब किंग्स), लुंगी एनगिडी (आरसीबी) और वियान मुल्डर (सनराइजर्स हैदराबाद) शामिल है।

## खिलाड़ियों को नए सिरे से लेनी होगी एनओसी

इन खिलाड़ियों को शुरू में 25 मई तक आईपीएल में भाग लेने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया गया था, लेकिन टूर्नामेंट के आगे बढ़ने का मतलब है कि अब उन्हें उस तिथि से आगे जारी रखने के लिए नए सिरे से मंजूरी की आवश्यकता होगी। डब्ल्यूटीसी फाइनल की महत्ता को देखते हुए क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा इन्हें एनओसी देने की संभावना नहीं है। आईपीएल फाइनल और डब्ल्यूटीसी फाइनल की शुरूआत के बीच सिर्फ आठ दिन का अंतर होने के कारण दक्षिण अफ्रीकी प्रबंधन थकान से बचने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने बड़े मुकाबले के लिए तैयारी का समय सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

# टेस्ट से संन्यास के बाद केंद्रीय अनुबंध में घटेगा रोहित-कोहली का ग्रेड?

एजेंसी ● मेलबर्न

भारतीय टीम अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद ऐसी चर्चा चल रही थी कि केंद्रीय अनुबंध में इन दोनों खिलाड़ियों का ग्रेड घटेगा या नहीं? अब इसे लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जानकारी दी है। रोहित और कोहली लंबे समय तक भारतीय टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और उन्हें हाल ही में जारी बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में ए प्लस वर्ग में रखा गया था। रोहित और कोहली ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले एक सप्ताह के अंदर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया था। यह दोनों खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय से भी संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में भारत के लिए खेलते नजर आएंगे। हालांकि, सिर्फ एक प्रारूप में खेलने के बाद उनका केंद्रीय अनुबंध का ग्रेड घटाया नहीं जाएगा।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने न्यूज एजेंसी एएनआई के हवाले से यह जानकारी दी है। सैकिया ने कहा, भले ही रोहित और कोहली ने टी20 के बाद टेस्ट से भी संन्यास का एलान कर दिया है, लेकिन वे अभी भी भारतीय क्रिकेट का हिस्सा हैं, इसलिए इन दोनों को केंद्रीय अनुबंध के ग्रेड ए प्लस की सुविधा मिलती रहेगी।

बीसीसीआई ने पिछले महीने साल 2024-2025 के लिए खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध की सूची का एलान कर दिया था। इस लिस्ट में कुल 34 खिलाड़ी हैं। चार खिलाड़ियों को ए+ ग्रेड में रखा गया जिसमें रोहित और कोहली भी शामिल थे। रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध की ए+ श्रेणी में बरकरार रखा गया था।

बीसीसीआई ए+ ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को सालाना सात करोड़ रुपये देता है, जबकि ए ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को पांच करोड़ और बी ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को तीन करोड़ और सी ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये देता है। बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध की सूची में उन्हीं खिलाड़ियों को जगह मिलती है जो एक साल के अंदर कम से कम तीन टेस्ट, आठ वनडे या 10 टी20 मैच जरूर खेले हों।

# आईपीएल में वापसी के लिए तैयार रोहित शर्मा, मुंबई इंडियंस के अभ्यास सत्र में जमकर बहाया पसीना

एजेंसी ● नई दिल्ली

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर चुके भारतीय कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल 2025 के बचे हुए सत्र में वापसी के लिए तैयार हैं। बुधवार को उन्हें मुंबई इंडियंस के अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाते देखा गया, जिसका वीडियो टीम ने आधिकारिक हैंडल से जारी किया है। उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद आईपीएल के बचे हुए 17 मैचों का कार्यक्रम का जारी हो चुका है। 17 मई से टूर्नामेंट की दोबारा शुरूआत होगी जबकि तीन जून को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद आईपीएल के बचे हुए 17 मैचों का कार्यक्रम का जारी हो चुका है। 17 मई से टूर्नामेंट की दोबारा शुरूआत होगी जबकि तीन जून को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। लीग स्टेज पर मुंबई अब तक 12 मैच खेल चुकी है। 13वां मुकाबला 21 मई को खेला जाएगा, जिसमें पांच बार की विजेता टीम का सामना दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

लीग स्टेज पर मुंबई अब तक 12 मैच खेल चुकी है। 13वां मुकाबला 21 मई को खेला जाएगा, जिसमें पांच बार की विजेता टीम का सामना दिल्ली कैपिटल्स से होगा। यह मैच मुंबई में ही खेला जाएगा। फिलहाल मुंबई इंडियंस अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और लीग स्टेज पर उनके दो मैच बाकी हैं। इनमें जीत के साथ टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करना चाहेगी।

आगामी मैच के लिए मुंबई इंडियंस ने अभ्यास शुरू कर दिया है। बुधवार को हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम वानखेड़े पहुंची। यहां रोहित शर्मा को कर्ण शर्मा, रॉबिन मिंज, अश्विनी कुमार और तिलक वर्मा के साथ नेट्स पर समय बिताते देखा गया। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने अब तक खेले 11 मैचों में तीन अर्धशतकों की मदद से 300 रन बनाए हैं।

# सामान्य तरीके से आईपीएल के शेष मुकाबले कराने के पक्ष में हैं गावस्कर, बीसीसीआई से की ये खास अपील

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से मांग की है कि आईपीएल 2025 के शेष मैचों को सामान्य तरीके से कराया जाए। आईपीएल 2025 के शेष मुकाबले 17 मई से शुरू हो रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए बीसीसीआई ने एक सप्ताह के लिए आईपीएल स्थगित किया था, लेकिन अब इसकी शुरूआत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबले से होगी।

बीसीसीआई ने आईपीएल शुरू करने की पूरी तैयारियां कर ली है, लेकिन गावस्कर ने बीसीसीआई से अपील की है कि इसके मुकाबलों के दौरान स्टेडियम में म्यूजिक और डीजे ना बजे क्योंकि हाल ही में कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है। गावस्कर ने स्पोर्ट्स टूडे से कहा, हमने लगभग 60 मैच खेले हैं। मुझे लगता है कि

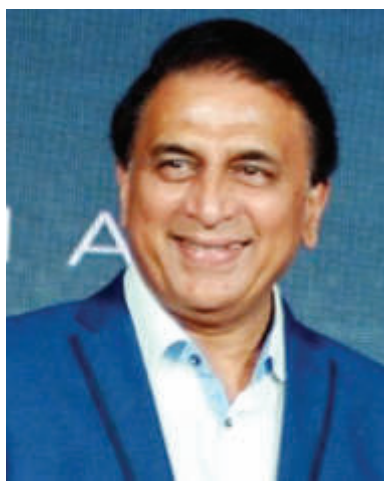

अब 15 या 16 मैच शेष हैं। मैं ईमानदारी से उम्मीद करता हूं, क्योंकि जो कुछ हुआ है और कुछ परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, मैं चाहूंगा कि मैच के दौरान म्यूजिक नहीं बजे और डीजे का इस्तेमाल भी नहीं हो। गावस्कर ने कहा कि उन परिवारों की भावनाओं का सम्मान करना आवश्यक है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उन्होंने कहा, मुकाबले को शुरू किया जाए और दर्शकों को स्टेडियम में आने दिया जाए। टूर्नामेंट करिए, लेकिन इसमें संतुलन रखना जरूरी है। इसमें चियरलीडर्स ना हों। सिर्फ क्रिकेट खेला जाए जिससे हम उन परिवारों की भावनाओं का सम्मान कर सकें जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल 2025 को स्थगित किया गया था। इससे पहले पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच धर्मशाला में खेला गया मुकाबला भी रद्द कर दिया गया था। आईपीएल में अब तक 57 मैच हो चुके हैं और बीसीसीआई ने फाइनल सहित 17 मैचों के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इके अनुसार, पंजाब और दिल्ली के बीच रद्द हुआ मुकाबला फिर खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह मैच 24 मई को जयपुर में होगा। आईपीएल 2025 का फाइनल अब 25 मई के बजाए तीन जून को खेला जाएगा।

# टेस्ट से संन्यास के बाद फडणवीस से मिले रोहित शर्मा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी ● मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में अपने आधिकारिक आवास वर्षा में रोहित शर्मा से मुलाकात की और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के इस दिग्गज बल्लेबाज को शुभकामनाएं दी। फडणवीस ने रोहित के 14 वर्ष के करियर को सराहा। इस बैठक में राज्य सरकार ने खेल के प्रति रोहित के समर्पण और उनके योगदान की सराहना की। फडणवीस ने रोहित के साथ अपनी मुलाकात की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा कीं।रोहित ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया था। रोहित ने पिछले साल टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से भी संन्यास ले लिया था और वह अब बस वनडे क्रिकेट में ही भारत के लिए खेलते नजर आएंगे। रोहित ने सात मई को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की जानकारी दी थी। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले यह फैसला लिया था। फडणवीस ने रोहित के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा कर लिखा, भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा का मेरे आधिकारिक निवास वर्षा में स्वागत।

उनसे मिलकर और बातचीत कर बहुत अच्छा लगा। मैंने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने और अपने सफर के अगले अध्याय में निरंतर सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। रोहित टेस्ट प्रारूप में भारत के सबसे सफल बल्लेबाज में एक हैं, जिन्होंने 67 टेस्ट मुकाबलों में 12 शतकों और 18 अर्धशतकों की मदद से 40.57 के औसत से 4301 रन बनाए। उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर अपनी टेस्ट कैप की तस्वीर साझा की थी और कैप्शन में लिखा था, मैं आप सभी साथियों को बताना चाहता हूं कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं।

इस प्रारूप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं वनडे में भारत के लिए खेलना जारी रखूंगा।रोहित 2024-25 सीजन के दौरान खराब दौर से गुजरे। उन्होंने 15 मैचों में 10.83 के औसत से 164 रन बनाए। रोहित बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान खराब फॉर्म में थे। इसके बाद वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में अपने बेटे के जन्म के कारण नहीं खेले थे। एडिलेड में हुए दूसरे टेस्ट के दौरान जब रोहित वापस आए तो उन्होंने ओपनिंग नहीं की और यशस्वी जायसवाल तथा केएल राहुल को पारी का आगाज करने भेजा। रोहित की अनुपस्थिति में पहले टेस्ट में यशस्वी और राहुल की जोड़ी ने 201 रनों की साझेदारी की थी।

# 'दिग्गजों को 50 वर्ष तक खेलना चाहिए', कोहली और रोहित के टेस्ट संन्यास से खुश नहीं योगराज सिंह

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी योगराज सिंह रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने से खुश नहीं है और उन्होंने इस फैसले की आलोचना की है। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज ने बताया कि किस तरह इन दोनों दिग्गजों खिलाड़ियों के जाने से एक खालीपन आ गया है। मालूम हो कि रोहित और कोहली ने एक सप्ताह के भीतर लाल गेंद के प्रारूप से संन्यास लेने का फैसला कर सभी को चौंका दिया था। योगराज ने कहा, 'विराट बड़े खिलाड़ी हैं, इसलिए जाहिर तौर पर नुकसान होगा। जब 2011 में कई खिलाड़ियों को या तो हटा दिया गया, या रिटायर कर दिया गया, या उन्हें रिटायर होने के लिए मजबूर किया गया, तो टीम बिखर गई और अब तक वापस खड़ी नहीं हो पाई है।' योगराज का कहना है कि सभी खिलाड़ी के संन्यास लेने का समय

आता है, लेकिन कोहली और रोहित में क्रिकेट अभी बचा था।

योगराज ने कहा, 'विराट और रोहित में अभी भी काफी क्रिकेट बचा था। जब युवराज भी संन्यास ले रहा था तो मैंने उससे कहा था कि यह सही कदम नहीं है। जब कोई चलने में असमर्थ हो तो उसे मैदान से दूर चले जाना चाहिए।' योगराज ने युवाओं पर अत्यधिक निर्भरता की वर्तमान प्रवृत्ति की आलोचना करने से परहेज नहीं किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अनुभवी खिलाड़ियों की कमी से टीम अस्थिर हो सकती है। उन्होंने कहा, यदि आप युवाओं से भरी टीम बनाते हैं, तो वह हमेशा बिखर जाएगी। शायद विराट को लगता है कि अब उनके पास हासिल करने के लिए कुछ और नहीं बचा है।रोहित शर्मा की ओर ध्यान दिलाते हुए योगराज ने कहा कि सही समर्थन के साथ भारतीय कप्तान अपना टेस्ट करियर आगे बढ़ा सकते थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि रोहित शर्मा को रोजाना प्रेरित करने के लिए सिर्फ एक व्यक्ति की जरूरत थी। रोहित और वीरेंद्र सहवाग दो ऐसे लोग हैं जिन्होंने बहुत जल्दी संन्यास ले लिया। जो दिग्गज खिलाड़ी होते हैं उन्हें 50 वर्ष की उम्र तक खेलना चाहिए।

ओक्लाहोमा सिटी में एनबीए बास्केटबॉल दूसरे दौर की प्लेऑफ सीरीज के गेम 5 में डेनवर नगेट्स के खिलाफ अपनी टीम की जीत के बाद जश्न मनाते हैं।

## टेस्ट टीम के कप्तान पर बहस जारी

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारूप से संन्यास लेने के बाद लाल गेंद के प्रारूप में किसे भारतीय टीम का कप्तान बनाया जाए इस पर बहस जारी है। भारत को अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और टीम इस दौरे पर नए कप्तान के नेतृत्व में जाएगी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के बाद अब विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी रहे कृष्णामचारी श्रीकांत और संजय मांजरेकर ने भी टेस्ट कप्तान के लिए जसप्रीत बुमराह का समर्थन किया है। श्रीकांत का कहना है कि बुमराह ने टीम के लिए जो योगदान दिया है उसे देखते हुए वह भारतीय टीम की कमान संभालने के हकदार हैं। इंडिया टूडे से बात करते हुए श्रीकांत ने कहा कि वह शुभमन गिल पर कप्तानी नहीं थोपना चाहते क्योंकि यह युवा बल्लेबाज टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर रहा है। भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी के लिए गिल दौड़ में आगे चल रहे हैं, लेकिन कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि टीम की कमान बुमराह को सौंपनी चाहिए। श्रीकांत ने बुमराह के कार्यभार प्रबंधन को लेकर चल रही चिंताओं को भी खारिज कर दिया।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...



## अच्छी बारिश और सुख-समृद्धि के लिए देवता से प्रार्थना...

नेपाल में हिंदुओं और बौद्धों द्वारा मनाए जाने वाले वर्षा देवता उत्सव के दौरान रातो मछिंद्रनाथ से प्रार्थना करते हुए एक महिला मक्खन का दीपक पकड़े हुए है, ताकि आने वाले वर्षों में वर्षा, अच्छी फसल और समृद्धि आए।

# बेटों का झलका दर्द 'इमरान जेल में तड़प रहे, दुनिया खामोश'

**एजेंसी ● इस्लामाबाद**

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर पहली बार उनके बेटों ने सार्वजनिक रूप से चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने पाकिस्तान की शहबाज सरकार की आलोचना करते हुए अपने पिता की अदियाला जेल में स्थिति को 'अमानवीय' बताया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की। इमरान के ये दोनों बेटे सुलेमान खान (28) और क़ासिम खान (26) जेमिमा गोल्डस्मिथ से हैं। ब्रिटेन में ही रहते हैं और पहली बार इमरान खान पर बात की है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। उन पर 190 मिलियन पाउंड भ्रष्टाचार मामले में सजा हुई है और 9 मई 2023 के विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में आतंकवाद विरोधी कानून के तहत कई अन्य मुकदमे लंबित हैं। कासिम खान ने कहा कि 'हर कानूनी रास्ता आज़मा लिया, अब बोलने के अलावा कुछ नहीं बचा। हमने हर कानूनी रास्ता अपनाया, हर कोशिश की, लेकिन अब हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। इसलिए हमने तय किया है कि अब सार्वजनिक रूप से सामने आकर बात करनी होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि जेल में उनके पिता को मूलभूत मानवाधिकारों से वंचित रखा जा रहा है और अब एकमात्र रास्ता यह है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाया जाए। दूसरे बेटे सुलेमान खान ने कहा, 'हमने कानूनी विकल्पों को पूरी तरह आजमा लिया है, लेकिन अब सब कुछ शांत हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी इस मुद्दे पर सन्नाटा है। ' बेटों ने यह भी बताया कि उन्हें अदालत ने नवंबर 2023 में अपने पिता से हर सप्ताह बात करने की अनुमति दी थी, लेकिन यह सुविधा हर बार नहीं दी जाती। क़ासिम ने यह स्पष्ट किया कि उनका मकसद किसी राजनीतिक लाभ का नहीं, बल्कि एक न्याय की लड़ाई है। 'हम चाहते हैं कि दुनिया पाकिस्तान पर दबाव डाले, ताकि उन्हें इंसानी हालात में रखा जा सके और न्याय मिल सके। 'इमरान के बेटों की अपील ने एक बार फिर पाक की न्यायिक प्रक्रिया की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान खींचा है।

## शॉट न्यूज

### पाकिस्तान के खिलाफ बलूचों की जंग जारी,

**खैबर पख्तून।** भारत और पाकिस्तान के बीच भले ही सीजफायर हो गया है, लेकिन बलूचिस्तान में विद्रोही अब भी पड़ोसी देश की नाक में दम किए हुए हैं। पंजाब मूल के चार ट्रक ड्राइवरों को किडनैप कर बलूचिस्तान में हत्या कर दी गई है। इन लोगों की हत्याओं की जिम्मेदारी फिलहाल बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने नहीं ली है, लेकिन पाकिस्तानी एजेंसियों का संदेह बलूच विद्रोहियों पर ही है। दरअसल इन ट्रक ड्राइवरों को 9 मई को ही किडनैप कर लिया गया था। इन्हें तब अगवा किया गया था, जब वे ईरान से एलपीजी के ट्रक लेकर आ रहे थे। इन्हें रास्ते में ही बलूच विद्रोहियों ने रोका और फिर उनकी पहचान जानने के बाद अगवा कर लिया। खबरों के मुताबिक क्वेटा से करीब 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित अहमदवाल इलाके से इन लोगों को अगवा किया गया था। विद्रोहियों ने पहले ट्रक टायरों को गोलियां मारकर पंचर कर दिया। इसके बाद ड्राइवरों को अगवा कर ले गए।

### शपथ लेते ही सीजेआई ने मां के पैर छुकर लिया आशीर्वाद

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जस्टिस बी.आर. गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ दिलाई। यह कार्यक्रम दिल्ली में हुआ। जस्टिस गवई अब भारत के नए सीजेआई हैं। देश के इस सबसे अहम पद पर बैठने से पहले गवई ने अपनी मां का आशीर्वाद लिया। सीजेआई पद की शपथ लेते ही सबसे पहले उन्होंने अपनी मां कमलताई गवई के पैर छुए। जस्टिस भूषण गवई की मां ने कड़ी मेहनत एवं दृढ़ संकल्प को अपने बेटे की सफलता का मूल आधार बताते हुए कहा कि उन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा करके इसे अर्जित किया है। जस्टिस भूषण गवई की मां कमलताई गवई ने भरोसा जताया कि उनका बेटा अपने नए पद के साथ पूरा न्याय करेगा। मूलरूप से महाराष्ट्र के अमरावती जिला निवासी जस्टिस गवई के पिता दिवंगत आर. एस गवई बिहार, केरल और सिक्किम के पूर्व राज्यपाल रह चुके हैं ।

**अवैध एक्टिविटी में शामिल होने का लगाया आरोप, अवांछित व्यक्ति घोषित किया**

# भारतीय डिप्लोमैट को देश छोड़ने का दिया आदेश

**इस्लामाबाद ● एजेंसी**

पाकिस्तानी सरकार ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमीशन के एक अधिकारी को अवांछित व्यक्ति (पर्सोना नॉन ग्राटा) घोषित किया। पाकिस्तान का आरोप है कि यह अधिकारी किसी अवैध एक्टिविटी में शामिल था। पाकिस्तान ने भारतीय हाई कमीशन के चार्ज डी'अफेयर्स (प्रभारी डिप्लोमैट) को विदेश मंत्रालय में बुलाकर अपनी नाराजगी जताई और इस अधिकारी को 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का आदेश दिया। इससे पहले, भारत ने कल नई दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के अधिकारी को अवांछित व्यक्ति घोषित किया था। भारत ने इस पर अवैध एक्टिविटी में शामिल होने का आरोप लगाया था और 24 घंटे में देश छोड़ने को कहा था।

**आदेश**

तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तय्यप एर्दोगान ने एक बार फिर कहा कि तुर्की अच्छे और बुरे दोनों समय में पाकिस्तान के साथ खड़ा रहेगा। एर्दोगान ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ की सोशल मीडिया पोस्ट पर यह प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को अटूट बताया है।

### पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे पर ट्रम्प के प्रस्ताव का सपोर्ट किया

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय कश्मीर मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रस्ताव का समर्थन किया है। पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा- पाकिस्तान ने हमेशा UN सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छा के मुताबिक जम्मू-कश्मीर मुद्दे के शांतिपूर्ण हल का समर्थन किया है। इसके साथ ही पाकिस्तान विदेश कार्यालय (पीएफओ) ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हालिया युद्धविराम के बाद आने वाले दिनों में भारत की कार्रवाइयों पर बारीकी से नजर रखने की अपील की है।

### पाक ने कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका से दखल देने को कहा

पाकिस्तान ने फिर एक बार कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका से दखल देने के लिए कहा है। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद ने कहा है कि भारत और PAK के बीच संघर्ष विराम अभी नाजुक बना हुआ है। रिजवान ने सीजफायर के लिए अमेरिका का शुक्रिया अदा किया। साथ ही वाशिंगटन से कश्मीर मुद्दे को सुलझाने में भूमिका निभाने के लिए भी कहा।

**कनाडा की नई विदेश मंत्री**

## गीता पर हाथ रखकर ली पद की शपथ

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 13 मई को अपने मंत्रिमंडल में व्यापक फेरबदल की घोषणा की, जिसमें भारतीय मूल की अनीता आनंद को कनाडा का नया विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। अनीता आनंद कनाडा की पहली हिंदू महिला विदेश मंत्री बनी हैं। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस नियुक्ति पर अनीता को बधाई दी।शपथ ग्रहण के दौरान अनीता आनंद ने भगवद गीता पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। उन्होंने कहा, "मैं कनाडा की विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त होकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और हमारी टीम के साथ मिलकर एक सुरक्षित, निष्पक्ष विश्व के निर्माण के लिए काम करूंगी और कनाडा के नागरिकों के लिए परिणाम सुनिश्चित करूंगी।" पूर्व विदेश मंत्री मेलानी जोली को उद्योग मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई हैं। वह पहली बार 2019 में ओकविले से संसद सदस्य के रूप में चुनी गईं। वह 2021 से 2023 तक रक्षा मंत्री और 2023 से 2024 तक ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगी। उन्होंने 2025 के चुनाव में अपनी सीट बरकरार रखी और मार्क कार्नी की अल्पमत सरकार में कैबिनेट मंत्री बनीं। राजनीति में प्रवेश करने से पहले वह पेशे से वकील और प्रोफेसर थी। उन्होंने ट्रूडो सरकार में परिवहन और व्यापार मंत्री के रूप में भी कार्य किया है।

# चीन ने बोइंग विमानों की डिलीवरी लेने से बैन हटाया

**बीजिंग ● एजेंसी**

चीन ने बोइंग विमानों की डिलीवरी लेने पर लगा बैन हटा दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने डोमेस्टिक कैरियर्स को सूचित किया कि वे अब अमेरिका निर्मित विमानों की डिलीवरी फिर से शुरू कर सकते हैं। अमेरिका-चीन की ट्रेड डील के बाद बैन हटाने का यह फैसला लिया गया। एक महीने पहले चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए थे। चीनी सरकार ने यह आदेश अमेरिका के 145% टैरिफ के जवाब में दिया था। अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स की खरीद रोकने का आदेश भी दिया था।

कोरोना महामारी से पहले, बोइंग के लगभग एक तिहाई 737 विमान देश में डिलीवर किए जा रहे थे। बोइंग के अनुमान के अनुसार, अगले दो दशकों में, चीन ग्लोबल एयरप्लेन डिमांड का 20% हिस्सा होगा। 737 मैक्स जैसे अनुमानित 6,500 सिंगल-आइल विमानों की और बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर जैसे 1,500 से अधिक ट्विन-आइल विमानों की भी जरूरत होगी। 2030 के अंत तक पुराने विमानों को बदलने और घरेलू यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लगभग 1,100 अतिरिक्त विमानों की आवश्यकता होगी।

### 12 मई को जेनेवा में ट्रेड डील का ऐलान किया था

अमेरिका-चीन ने 12 मई को जेनेवा में ट्रेड डील का ऐलान किया था। बताया गया कि दोनों देश 115% टैरिफ कटौती करेंगे। दोनों के बीच यह समझौता फिलहाल 90 दिनों के लिए है। अमेरिका ने चीनी सामानों पर 145% और चीन ने अमेरिकी सामानों पर 125% टैरिफ लगा रखा है। इस कटौती के बाद चीन पर अब 30% और अमेरिका पर 10% टैरिफ रह जाएगा।

**इजरायली पीएम ने फिर दी हमास को चेतावनी**

# भले ही बंधकों को रिहा कर दो, फिर भी गाजा में युद्धविराम नहीं होगा : नेतन्याहू

**तेल अवीव ● एजेंसी**

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कल घोषणा करते हुए कहा है कि गाजा में चल रहे युद्ध को रोकने का कोई इरादा नहीं है, भले ही हमास के साथ बंधकों की रिहाई के लिए कोई समझौता हो जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि हमास बंधकों को रिहा करता है, तो इजरायल उन्हें स्वीकार करेगा, लेकिन इसके बाद भी सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी। नेतन्याहू ने कहा, 'हम बंधकों को लेंगे, और फिर हम आगे बढ़ेंगे। लेकिन युद्ध को रोकने का कोई रास्ता नहीं है। नेतन्याहू के इस बयान ने हाल के दिनों में गाजा में युद्धविराम की उम्मीदों को झटका दिया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हमास ने एक अमेरिकी-इजरायली बंधक एडन अलेक्जेंडर को रिहा किया था। इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति सद्भावना के तौर पर देखा गया। ट्रंप ने पहले उम्मीद जताई थी कि इजरायली-अमेरिकी सैनिक एडन अलेक्जेंडर की रिहाई 19 महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने की दिशा में एक कदम होगा। इस रिहाई के बाद मिस्र, कतर, अमेरिका और हमास के बीच चार-पक्षीय वार्ता के जरिए युद्धविराम की संभावनाएं बढ़ती दिख रही थीं।

**चेतावनी**

### बंधक परिवारों का दबाव और आलोचना

इजरायल में बंधकों के परिवार और उनके समर्थक सरकार पर लगातार दबाव डाल रहे हैं कि वह गाजा में बचे हुए 59 बंधकों की रिहाई के लिए समझौता करे। लेकिन नेतन्याहू की कैबिनेट में कट्टरपंथी नेताओं का प्रभाव बढ़ रहा है, जो युद्ध को समाप्त करने के खिलाफ हैं। हाल ही में, नेतन्याहू ने गाजा में सैन्य अभियान को और तेज करने की योजना की घोषणा की थी, जिसमें गाजा के बड़े हिस्से पर कब्जा करने और वहां की आबादी को दक्षिण की ओर शिफ्ट करने की बात शामिल है। इजरायली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर-जनरल एफी डेफ्रिन ने कहा कि नया सैन्य अभियान बंधकों की रिहाई को प्राथमिकता देगा। हालांकि, बंधक परिवारों के संगठन, होस्टेजेस एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम, ने इस योजना को बंधकों की "बलि' देने वाला कदम बताया। विपक्षी नेता यायर गोलान ने भी नेतन्याहू पर आरोप लगाया कि यह योजना उनकी सरकार को बचाने के लिए है, न कि सुरक्षा या बंधकों की रिहाई के लिए।अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियानेतन्याहू के बयान और गाजा में प्रस्तावित सैन्य अभियान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी आलोचना हो रही है।

**स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक -** दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
**संपादक-** दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)